

वियतनाम में बोट दुर्घटना में भारतीयों की मौत, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, बोले- हर संभव मदद करेंगे

एजेंसी।

दिल्ली। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास एक दुखद नाव हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं जताईं और भारतीय दूतावास तथा वाणिज्य दूतावास द्वारा हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। यह दुर्घटना फु क्वोक के पास होन मे रुट न्गोई द्वीप के करीब हुई, जिसमें 32 भारतीय पर्यटक और 4 क्रू मेंबर सवार थे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय नागरिकों के साथ हुई दुखद नाव दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास वियतनामी अधिकारियों के साथ



लगातार संपर्क में रहते हुए हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने X पर पोस्ट किया कि वियतनाम के फु क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की

(Hon May Rut Ngoai) द्वीप के पास जब नाव पलटी, तो उसमें 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू मेंबर सवार थे। यह नाव वियतनाम के सबसे बड़े द्वीप, फु क्वोक के पास स्थित द्वीप से लगभग 400 मीटर (1,310 फीट) की दूरी पर पलट गई। आंध्र प्रदेश सरकार के सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के तीन पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बॉर्डर गार्ड, नेवी, कोस्ट गार्ड और दूसरी इमरजेंसी टीमों के ऑपरेशन में शामिल होने से पहले ही आस-पास की नावें मौके पर पहुँच गईं और पानी से यात्रियों को बचाने का काम शुरू कर दिया। खबरों के मुताबिक, बचाव कार्यों में रुकावट आई क्योंकि कई यात्री पलटी हुई नाव के अंदर ही फँसे हुए थे।

देश का भविष्य लाइब्रेरियों में! दिल्ली में जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी ने किया उद्घाटन

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए कहा कि किसी देश का भविष्य उसकी लाइब्रेरी में भीड़ से तय होता है, न कि आर्थिक आंकड़ों से, जो राष्ट्र की बौद्धिक गहराई और वास्तविक प्रगति पर जोर देता है। यह आधुनिक मल्टीमीडिया और डिजिटल लाइब्रेरी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत को समर्पित है, जो दिल्ली के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में अत्याधुनिक 'जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि किसी देश की असली तरक्की सिर्फ उसके आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसकी बौद्धिक गहराई से मापी जाती है। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने इस लाइब्रेरी की शुरुआत को दिल्ली के सामाजिक-शैक्षिक परिदृश्य में एक अहम पड़ाव बताया। उन्होंने इस नई मल्टीमीडिया और डिजिटल सुविधा को महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और

समाज सुधारक लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विरासत को समर्पित किया।शाह ने कहा कि आज दिल्ली के लिए एक अहम दिन है। यहाँ देश के महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और कई बड़े काम करने वाले महान नेता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के नाम पर एक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया है। नई दिल्ली म्युनिसिपल काउंसिल द्वारा बनाई गई यह नारायण की विरासत को समर्पित है, जो दिल्ली के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में अत्याधुनिक 'जयप्रकाश नारायण लाइब्रेरी' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि किसी देश की असली तरक्की सिर्फ उसके आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसकी बौद्धिक गहराई से मापी जाती है। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने इस लाइब्रेरी की शुरुआत को दिल्ली के सामाजिक-शैक्षिक परिदृश्य में एक अहम पड़ाव बताया। उन्होंने इस नई मल्टीमीडिया और डिजिटल सुविधा को महान स्वतंत्रता सेनानी, विचारक और

हैं, बल्कि इस बात से लगाया जाता है कि वहाँ के पुस्तकालयों में कितनी भीड़ है और वहाँ कितने युवा हैं। इस इमारत की दो मंजिलों पर 32,000 से ज्यादा किताबों का बेहतरीन संग्रह मौजूद



है। शोध करने वाले छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा, पढ़ने के लिए एक आधुनिक जगह भी बनाई गई है ताकि छात्र, शोधकर्ता और पाठक शांत माहौल में पढ़ाई कर सकें और ज्ञान हासिल कर सकें।यह दिखाने के लिए कि प्रशासनिक कदमों से पढ़ने की आदत को कैसे फिर से जीवित किया जा सकता है, शाह ने गुजरात के अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में ग्रामीण युवाओं के

लिए साहित्य को सुलभ बनाने के मकसद से लागू किए गए एक बेहद सफल 'हब-एंड-स्पोक' प्रयोग का जिक्र किया।गृह मंत्री ने बताया कि हमने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में एक छोटा सा प्रयोग किया।

हमने हर गाँव में लाइब्रेरी खोली, जिनमें से हर एक में 3,000 से 4,000 किताबें थीं। इन लाइब्रेरी को लाखों किताबों वाली एक बड़ी लाइब्रेरी से जोड़ा गया। हमने चार मोबाइल वैन भी चलाई। अब, अगर गाँव का कोई बच्चा अपनी स्थानीय लाइब्रेरी में किसी किताब का नाम लिखवाता है, तो वह किताब हर शुक्रवार को उसे उसके गाँव में ही उपलब्ध करा दी जाती है।

बिहार में बुजुर्गों को तोहफा! 75 उम्र के लोग अब घर बैठे कराएंगे जमीन की रजिस्ट्री, सीएम ने किया लॉन्च

एजेंसी।

बिहार सरकार ने 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर बैठे संपत्ति निबंधन की डिजिटल सुविधा शुरू की है, जिससे वे ऑनलाइन स्लॉट बुक कर मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट द्वारा अपने घर पर ही जमीन, प्लॉट या प्लैट का पंजीकरण करा सकेंगे। यह महत्वपूर्ण पहल शसबका सम्मान, जीवन आसान कार्यक्रम के तहत बुजुर्गों को लंबी कतारों और यात्रा की परेशानी से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन को आसान बनाएगी। बिहार सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल शुरू की है। अब 75 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नागरिक घर बैठे जमीन, प्लॉट या प्लैट का पंजीकरण करा सकेंगे। हाजीपुर के निबंधन कार्यालय से शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मघ निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की इस नई व्यवस्था का शुभारंभ किया। यह सुविधा सात निश्चय-3 के अंतर्गत

'सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के तहत शुरू की गई है।इस संवेदनशील पहल से बुजुर्गों को अब निबंधन कार्यालय जाने, लंबी लाइन में खड़े होने या यात्रा की परेशानी नहीं होगी। वे अपनी सुविधा अनुसार घर पर ही निबंधन करा सकेंगे। ई-निबंधन पोर्टल पर होगा स्लॉट बुक घर बैठे निबंधन कराने के लिए वरिष्ठ नागरिकों को सबसे पहले विभाग की आधिकारिक वेबसाइट 'जजचेरूध्मदपईदकीद.इपीत.हवअ.पदध पर ऑनलाइन स्लॉट बुक करना होगा। स्लॉट मिलने के बाद मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट तय तारीख और समय पर आवेदक के घर पहुंचेगी। वहां दस्तावेजों का सत्यापन, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन और त्वरित निबंधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।मोबाइल यूनिट में इंटरनेट युक्त लैपटॉप, बायोमेट्रिक डिवाइस, वेबकैम और आधार प्रमाणीकरण की व्यवस्था रहेगी। निबंधन प्रक्रिया होने के बाद दस्तावेजों का पीडीएफ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भेज दिए

जाएंगे। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है। इच्छुक बुजुर्ग पुरानी व्यवस्था के तहत निबंधन कार्यालय में जाकर भी निबंधन करा सकते हैं। स्लॉट बुकिंग के लिए आधार अनिवार्यस्लॉट बुकिंग के समय नागरिकों को आधार कार्ड की फोटो अपलोड करनी होगी, जिससे आयु की पुष्टि की जाएगी। पूरी प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित, पारदर्शी और सुविधाजनक है। फिलहाल यह सुविधा पटना और हाजीपुर के 10 निबंधन कार्यालयों में शुरू की गई है। शीघ्र ही इसे पूरे राज्य में विस्तार दिया जाएगा।अन्य सुविधाओं की भी शुरुआत होने पेपरलेस निबंधन की भी शुरुआत की है। ई-निबंधन सॉफ्टवेयर से दस्तावेज तैयार होंगे, शुल्क की स्वचालित गणना, ई-चालान, ई-स्टॉप और आधार आधारित ई-शाइन की व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा, निबंधन से पहले खरीदार को संपत्ति की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यदि कोई जानकारी चाहिए तो अंचल अधिकारी या राजस्व अधिकारी 10 दिनों के अंदर विवरण

देंगे। विभाग ने जीआईएस तकनीक से स्थल निरीक्षण की व्यवस्था भी शुरू कर दी है।लोगों ने क्या कहा?शेखपुरा निवासी सर्वनंदन कुमार ने सरकार की बुजुर्ग नागरिकों की सक्षीलियत वाले कदम की सराहना की। उन्होंने इस व्यवस्था को बुजुर्गों के लिए वरदान बताया और कहा कि उम्र बढ़ने के बाद लंबा सफर तय करना, कार्यालयों में लाइन लगाना और शारीरिक परेशानी होती है, जो घर बैठे निबंधन कराने से नहीं होगी।फुलवारी शरीफ के गंजा चक मोहमदपुर गांव निवासी शिवकुमार सिंह ने कहा कि बुजुर्गों को आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। साथ ही सफर करने से उनके तबियत पर भी असर हो सकता है। घर बैठे निबंधन की यह सुविधा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। यह योजना वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुविधा के लिए उचित है।वैशाली के पातेपुर पंचायत निवासी रातिब कुमार ने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम है।

2017 से पहले यूपी में नहीं था विकास का इरादा, योगी ने सपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी शासनकाल में निवेश व विकास कार्यों की अनुपस्थिति का आरोप लगाया। उन्होंने विश्लेषण किया कि पिछली सरकारों की इच्छाशक्ति और नीतिगत कमी के कारण रोजगार हेतु युवाओं का पलायन बढ़ा, जबकि अब राज्य में ही नौकरी के अवसर पैदा हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि निवेश और रोजगार के अवसर अब नोएडा और गाजियाबाद से आगे बढ़कर कुशीनगर और गोरखपुर जैसे जिलों तक फैल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य के युवाओं को नौकरी की तलाश में कहीं और जाने की जरूरत नहीं है। कुशीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि अगर पिछली सरकारों ने विकास पर ध्यान दिया होता, तो इस इलाके के युवाओं को रोजगार के लिए अपना घर छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ता।सीएम योगी ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने दिलचस्पी दिखाई होती, तो कुशीनगर के युवाओं को पलायन नहीं करना पड़ता। आज जब यूपी पुलिस में भर्ती होती है या उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कोई परीक्षा आयोजित करता है और मैं लखनऊ में नियुक्ति पत्र बांटता हूँ, तो कुशीनगर के किसी युवा को नियुक्ति पत्र पाते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए बड योगी ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले विकास के लिए न तो कोई इरादा था और न ही कोई नीति, जिसके कारण निवेश की कमी हुई और प्रोजेक्ट्स रुक



गए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उनकी तरफ से कोई पहल नहीं की गई। इसीलिए न तो कोई निवेश हुआ और न ही विकास के काम हो पाए, सब कुछ ठप पड़ गया था। मुख्यमंत्री ने पिछली समाजवादी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया और कहा कि गरीबों के लिए बनी सुविधाओं का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने आरोप

लगाया कि गरीबों के लिए राशन, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के मौकों पर समाजवादी पार्टी के गुंडों ने कब्जा कर लिया था और गरीबों की जिंदगी बर्बाद कर दी थी।उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति का जिक्र करते हुए CM योगी ने कहा कि BJP की 'डबल-इंजन' सरकार आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करती और उसने पूरे राज्य में शांति बनाए रखी है।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने में केंद्र की देरी पर निशाना साधते हुए चेतावनी

एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर। उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने में केंद्र की देरी पर निशाना साधते हुए चेतावनी दी कि उनके धैर्य को कमजोरी न समझा जाए। उन्होंने भाजपा सरकार पर उप-राज्यपाल के माध्यम से शासन करने और चुनी हुई सरकार को काम न करने देने का आरोप लगाया, जिससे राज्य में राजनीतिक तनाव गहरा गया है।जम्मू-कश्मीर (लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को छोड़कर) का राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी मांग को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्र से कहा कि वे उनके सब्र को कमजोरी न समझें। उन्होंने इसके लिए एक स्पष्ट समय-सीमा की मांग की। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार को खुद से यह पूछना चाहिए कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक सत्ता में रहने के बाद भी, श्र-ञ की सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस

दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध। प्रदर्शन करने के बारे में क्यों सोच रही है। अपनी दादी अकबर जहान की 26वीं पुण्यतिथि के मौके पर हजरतबल में अपने दादा-दादी के मजार पर आयोजित पार्टी सम्मेलन में उमर अब्दुल्ला ने पूछा कि अगर केंद्र लद्दाख के लोगों से राज्य का दर्जा देने जैसी मांगों पर बात करने को तैयार है, तो जम्मू-कश्मीर के लोगों से क्यों नहीं? केंद्र सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर (जिसमें तब लद्दाख का इलाका भी शामिल था) का विशेष दर्जा खत्म करने का फैसला किया था, जिसके तहत उसका राज्य का दर्जा भी हटा दिया गया। हालांकि संसद ने अगस्त 2019 में राज्य के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी थी, लेकिन यह बदलाव अक्टूबर में कानूनी रूप से लागू हुआ, जब उस राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों – जम्मू-कश्मीर

और लद्दाख – में बांट दिया गया।उमर अब्दुल्ला ने उश्रुक के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह



उप-राज्यपाल के जरिए जम्मू-कश्मीर के कामकाज को कंट्रोल कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर आपको राजभवन के जरिए लोगों को परेशान करना था, कर्मचारियों को नौकरी से निकालना था और बुलडोजर चलवाना था, तो फिर आपने हमें आगे क्यों किया? मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की जीत

जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक सजा बन गई है। उन्होंने कहा कि अगर आप सरकार को काम नहीं करने देंगे, तो आपने हमें सरकार बनाने क्यों दी? इसका क्या फायदा? तब तो आपको चुनाव ही नहीं करवाने चाहिए थे। अपनी दिवंगत दादी का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि हमें धैर्य रखना होगा, जैसा उन्होंने दिखाया था। लेकिन धैर्य कमजोरी का रास्ता नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने बातचीत का रास्ता चुना।

कन्हैया कुमार का बड़ा आरोप राम मंदिर चंदे में हुई कथित चोरी महापाप कोर्ट जांच हो

एजेंसी।

दिल्ली। कन्हैया कुमार ने राम मंदिर चंदे में हुई कथित चोरी को महापाप बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने SIT की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए और मंदिर ट्रस्ट को तत्काल भंग करने की वकालत करते हुए कहा कि इसमें अयोध्या से दिल्ली तक सभी जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने शनिवार को अयोध्या राम मंदिर दान घोटाले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की और साथ ही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की जांच की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। दान की चोरी को महापाप बताते हुए, कुमार ने मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को तुरंत भंग करने की भी मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि चोरी हुई है। मंदिर में महापाप हुआ है। चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाना चाहिए। इसमें कोई 'अगर-मगर' नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है जिस पर जालसाजी का मामला

चल रहा है और पूछा कि क्या चोर पर चोरी रोकने की जिम्मेदारी साँपी जा सकती है और क्या

करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करेगी,

जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि आप ही बताइए, क्या



बिल्ली को दूध की रखवाली करने के लिए कहा जा सकता है? उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस धर्म का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस उसी दृष्टिकोण को अपनाकर जवाब नहीं देगी। हम जनता से जुड़े मुद्दों पर लोगों को एकजुट करेंगे, इसमें कोई धार्मिक संस्थानों को नियंत्रित करने की कोशिश

लेकिन भक्तों द्वारा दिए गए चढ़ावे के कथित दुरुपयोग पर सवाल उठाएंगी। कुमार ने कहा कि मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाना चाहिए। मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हुआ था और इसकी जांच भी सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में ही होनी चाहिए। जांच सिर्फ छोटे-मोटे कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। अयोध्या से लेकर दिल्ली तक, इसमें शामिल सभी लोगों को

मंदिर के अंदर चोरी होने से बड़ा कोई पाप हो सकता है? अगर ऐसा पाप हुआ है, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करने के लिए बीजेपी की भी कड़ी निंदा की। सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार आप चला रहे हैं। ट्रस्ट आपके नियंत्रण में है। आपके लोग ट्रस्ट का हिस्सा हैं।

यूपी चुनाव 2027 से पहले बसपा ने विरोधियों पर साधा निशाना, मायावती बोलीं बहुजन समाज को गुमराह करने की साजिश से रहें सतर्क

लखनऊ, (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के संदर्भ में लंबा राजनीतिक बयान जारी करते हुए कहा कि बसपा अन्य राजनीतिक दलों की तरह धरना–प्रदर्शन, सड़क जाम, तोड़फोड़, हिंसा, झूठे वादों और भ्रामक प्रचार के माध्यम से राजनीतिक या चुनावी लाभ लेने में विश्वास नहीं करती। उन्होंने दावा किया कि बसपा देश की एकमात्र अम्बेडकरवादी पार्टी है, जो प्षर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर चलकर गरीबों, मजदूरों, शोषितों, पीड़ितों और उपेक्षित वर्गों के हितों के लिए कार्य करती रही है।मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा के नेतृत्व में बनी चार सरकारों ने जनहित, जनकल्याण, विकास, अमराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया तथा प्कानून द्वारा कानून का राज् स्थपित किया। उन्होंने कहा कि बसपा ने हमेशा संवैध ानिक मूल्यों के अनुरूप शासन चलाने का प्रयास किया और सत्ता का उपयोग समाज के सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए किया।उन्होंने आरोप लगाया कि

कुशीनगर में 525 करोड़ की 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर बोला हमला

कुशीनगर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कुशीनगर में 525 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। रामकोला, हाटा और कुशीनगर विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी इन परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, प्रमाण पत्र और स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग युवाओं का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे अयोध्या, मथुरा और काशी के विकास के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मंदिरों के नाम पर आने वाले धन का दुरुपयोग किया जाता था और मंदिरों की संपत्ति पर कब्जे कराए जाते थे, जबकि वर्तमान सरकार मंदिरों के पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मंदिरों के धन को क्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल पर खर्च करने वाले लोगों को विकास पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर की पहचान इंसेफ़ेलाइटिस, पिछड़ेन और पलायन जैसी समस्याओं से होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं

ग्रामीण युवाओं को गांव में ही मिलेगी आईएस-पीसीएस की तैयारी, प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में बन रहीं हाईटेक डिजिटल लाइब्रेर

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं। इन पुस्तकालयों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएसएस), प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को ई–बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री, डिजिटल कि्वज और लगभग 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों की सुविधा मिलेगी। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को शहरों जैसी अध्‍ययन सुविधाएं गांवों में ही उपलब्ध ा कराना है, ताकि आर्थिक और भौगोलिक बाधाएं उनकी सफलता के मार्ग में रुकावट न बनें।पंचायतीराज विभाग के अनुसार पहले चरण में 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी

साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए किया गया।उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही विशेष ि दल अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए विभिन्न संगठनों और ‘गुलाम मानसिकता’ वाले लोगों के माध्यम से बसपा और बाबा साहेब के आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दलित और बहुजन समाज सहित सभी वर्गों से ऐसे प्रयासों के प्रति सतर्क रहने की अपील की।मायावती ने युवाओं, गरीबों, मजदूरों और बेरोजगारों से भी अपील करते हुए कहा कि संघर्षपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम के बताए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक उत्थान के लक्ष्य को सत्ता के माध्यम से प्राप्त करना चाहती है।मायावती ने कहा कि शोषित, पीड़ित, पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, मुस्लिम, अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण समाज के वास्तविक हितों की रक्षा केवल बसपा ही कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि बसपा सरकारों के दौरान सत्ता, संसाधनों और सरकारी मशीनरी का उपयोग समाज के सभी वर्गों के

को मजबूत करने, स्वच्छता, टीकाकरण और जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब गांव–गांव तक पहुंच रहा है और स्वास्थ्य व्यवस्था पहले की तुलना में कहीं अधिक सुदृढ़ हुई है।उन्होंने कहा कि वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति करने वाले दलों ने मुसहर समाज जैसे वंचित वर्गों को मुंहभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा। वर्तमान सरकार ने ऐसे परिवारों को पक्के आवास, भूमि के पट्टे, आयुधान भारत कार्ड, नि:शुल्क राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन तथा बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्‍यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। इससे उनमें सम्मान और आत्मविश्वास की भावना विकसित हुई है।कानून–व्यवस्था का उल्लेख करते हुए मुख्‍यमंत्री ने कहा कि प्रदेश मेंसरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण गुंडागर्दी और दंगों पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त राज्य के रूप में पहचान बना चुका है और सभी प्रमुख व्योहार शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि जो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा।

मुख्‍यमंत्री ने यह भी बताया कि बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और ऑडियो सामग्री, इंटरैक्टिव कि्वज और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत बनाना है, जिससे वे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के तहत अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जबकि 9,372 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति भी पूरी हो चुकी है। विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी लाइब्रेरियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग की सुविधा मिल सके।सरकार ने इन डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को सौंपी है। संबंधित सहायक अधिकारी नियमित रूप

से इनकी निगरानी करेंगे, जिस से पुस्तकालयों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और विद्यार्थियों को सभी सुविध सरकार का उत्‍देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत बनाना है, जिससे वे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के तहत अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जबकि 9,372 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति भी पूरी हो चुकी है। विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी लाइब्रेरियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग की सुविधा मिल सके।सरकार ने इन डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को सौंपी है। संबंधित सहायक अधिकारी नियमित रूप

से इनकी निगरानी करेंगे, जिस से पुस्तकालयों का संचालन सुचारु रूप से हो सके और विद्यार्थियों को सभी सुविध सरकार का उत्‍देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत बनाना है, जिससे वे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के तहत अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जबकि 9,372 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति भी पूरी हो चुकी है। विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी लाइब्रेरियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग की सुविधा मिल सके।सरकार ने इन डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को सौंपी है। संबंधित सहायक अधिकारी नियमित रूप

लखनऊ, रविवार 12 जुलाई 2026

संगीत कला संस्थान की अभिरुचि कार्यशाला का समापन

प्रयागराज। संगीत कला संस्थान द्वारा 11 जून से 30 जून तक आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कार्यशाला का भव्‍य समापन 5 जुलाई को ईश्वर धाम मन्दिर परिसर में किया गया। यह कार्यशाला संस्थान की द्वितीय शाखा, देव रेजिडेंसी में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भाकियू नेता अनुज सिंह समेत 3 नामजद, 100 अज्ञात पर एफआईआर

गेस्ट हाउस सील करने के दौरान धक्का-मुक्की हुई, गाली-गलौज का आरोप

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में झलवा स्थित अमृत वाटिका मैरिज लॉन को सील करने प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम के पहुंचने पर हंगामा हो गया। पीडीए के सुपरवाइजर ने आरोप लगाया है कि कार्रवाई का विरोध करते हुए कुछ लोगों ने सरकारी टीम के साथ धक्का-मुक्की की, सरकारी कार्या में बाधा डाली, जातिभूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। मामले में धूमनगंज थाने में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज

सिंह समेत तीन नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सुपरवाइजर विशाल कुमार भारतीय ने पुलिस को बताया, मैं जोनल अधिकारी सूरज पटेल और अवर अभियंता विनोद गुप्ता पूरी टीम के साथ दोपहर में 12 बजे के करीब मयूर विहार कॉलोनी, झलवा स्थित अमृत वाटिका को सील करने पहुंचे थे। इस बारातघर एवं लॉन के संबंध में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(1) के

राम मंदिर चढ़ावा चोरों को बचा रही सरकार- उदयभानु चिब यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट जांच, ट्रस्ट भंग करने की मांग की

प्रयागराज। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने है कहा कि अयोध्या का राम मंदिर किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, त्याग और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने आरोप लगाया कि देशभर के सनातनियों ने अपने बच्चों के गुल्लक का पैसा, पेंशन और मेहनत की कमाई भगवान श्रीराम के चरणों में अर्पित की थी।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार,

भाजपा और आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने इस कथित चढ़ावा चोरी प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि इस आस्था के साथ कथित विश्वासघात किया गया है। उन्होंने भाजपा पर प्रभु श्रीराम के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट

वृक्षारोपण सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित- रेवती रमण सिंह

प्रयागराज। वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे श्क पेड़ माँ के नामश् वृक्षारोपण अभियान की जमीनी हकीकत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जा रहे हैं, लेकिन उचित रणनीति और देखरेख के अभाव में यह महत्वाकांक्षी योजना सिर्फ कागजी

कांई व्यवस्था होती है। नतीजा यह होता है कि 80 फीसदी से अधिक पौधे कुछ ही महीनों में सूख जाते हैं या मवेशियों का निवाला बन जाते हैं।उन्होंने तकनीकी खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मिट्टी और स्थानीय जलवायु का अध्ययन किए बिना कहीं भी कोई भी पौध ा रोप दिया जा रहा है। विदेशी या अनुपयुक्त प्रजातियों के पौधे लगाने से स्थानीय जैव विविधता

तीन दिन से लापता युवक की कुएं में मिली लाश पुलिस ने नहीं दर्ज की थी एफआईआर

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव के समीप शनिवार सुबह एक युवक की लाश कुएं में देखी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। यह शव क्षेत्र के पारसपुर भगदेवरा निवासी सूरज कुमार (40) की बताया जा रहा है। पुलिस का बतौरा है कि कुएं में पानी भरा जा रहा है। लाश उताराने के बाद बाहर निकाला जाएगा। इसके बाद ही शव की शिनाख्त हो सकेगी। फिलहाल परिजनों ने

कोहराम मचा हुआ है।प्राप्त जानकारी के अनुसार नवाबगंज थाना क्षेत्र के पारसपुर भगदेवरा गांव निवासी सूरज कुमार (40) प्रयागराज शहर में कोई काम धंधा करते थे। रोज वह घर से प्रयागराज आते थे और शाम को लौटते थे। 29 जून को वह शहर के लिए निकले लेकिन शाम तक घर नहीं आए। उनकी पत्नी सोनाली देवी तबीयत खराब होने के कारण मायके में थीं। पति के लापता होने की सूचना पर उन्होंने

पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान को मिली शील्ड

पुलिस लाइंस प्रयागराज का सभागार पुलिस पेंशनर से खचाखच भरा हुआ था किन्हीं कारणवश पुलिस आयुक्त नहीं आ पाए उनकी जगह नोडल अधिकारी डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद यादव ने पेंशनरों की सभा को संबोधित किया। डीसीपी को कुछ पेंशनर्स की चिकित्सा संबंधी वदा प्रपत्रों के निस्तारण में हो रही देरी से अवगत कराया गया। जिस पर अध्यक्ष की ओपी दुबे ने आश्वासन दिया कि वह सीएमओ ऑफिस से बराबर संपर्क किए रहते हैं और इस बार जो लंबित प्रकरण है उन्हें निकलवा करके उनका निस्तारण करवाया जाएगा।

डीसीपी विवेक चंद यादव ने कहा प्रयागराज पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान का कार्य बहुत ही अच्छा है और कभी–कभार कुछ प्रकरण आ जाते हैं लेकिन सभा का काम बड़ स्मूथली हो रहा है।

डी जी पी कार्यालय स्थित पुलिस पेंशन कल्याण संस्थान उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एके जैन तथा सचिव रामकृष्ण चतुर्वेदी द्वारा शील्ड प्रदान की गयी है जिसे अध्यक्ष ने डीसी यमुनानगर को समर्पित करते हुए कहा किसका सारा श्रेय आपको जाता है।

बैठक में पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान प्रयागराज के अध्यक्ष ओ पी दुबे, उपाध्यक्ष अशोक कुमार निगम, महासचिव शुभ नारायण, सचिव सुशील कुमार मिश्रा,

सचिव संतोष कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार ओझा कार्यकारिणी सदस्य लाल धारी भारतीय, सत्येंद्र कुमार सिंह, राम निहोर मिश्रा, अरुण कुमार तिवारी, श्री प्रकाश सिंह, जयशंकर प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में पेंशनर उपस्थित रहे। 80 साल से ऊपर के पुलिस पेंशनर्स को अलग से सम्मानित किया गया।

संगीत विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का शुभारम्भ प्रियम यादव ने गुरु वंदना एवं गणेश वंदना से किया। इसके पश्चात कीबोर्ड वादन की मनमोहक प्रस्तुति कृधा मेहरोत्रा, कृधा मेहरोत्रा, विक्रान्त मेहरोत्रा एवं आद्या सिंह ढांगर ने दी।

इसके साथ ही गिटार वादन एवं कार्यक्रम में राग भोपाली एवं लोक संगीत की सामूहिक

प्रस्तुति भी हुई। सभी प्रतिभागियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों एवं अभिभावकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। समारोह के अंत में कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों को उनकी सफल सहभागिता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्मृति–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

सीलिंग का विरोध किया और सरकारी कार्रवाई रुकवा दी। विरोध ा के दौरा जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया गया। मेरे साथ और टीम के अन्य सदस्यों के साथ धक्का—मुक्की की गई तथा सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। जान से मारने की धमकी भी दी गई।

इस घाटना से मौके पर अफरातफरी मची रही। बाद में सुपरवाइजर ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। रात नौ बजे के करीब इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई।

हालिया पेपर लीक मामलों से करते हुए कहा कि जिस तरह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाया जा रहा है, उसी तरह राम मंदिर चढ़ावा मामले में भी जवाबदेही से बचने की कोशिश की जा रही है।

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे को चुनावी मुद्दा बनाए जाने के सवाल पर चिब ने कहा कि यदि सरकार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं करती है, तो यह स्वाभाविक रूप से एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनेगा।

को कोई लाभ नहीं मिल रहा है।उन्होंने कहा कि वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के पास सिर्फ पौधे लगाने का लक्ष्य होता है। पौधा लगाने के बाद वह जीवित रहा या नहीं, इसकी ऑडिटिंग या जियो–टैगिंग की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

को कोई लाभ नहीं मिल रहा है।उन्होंने कहा कि वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के पास सिर्फ पौधे लगाने का लक्ष्य होता है। पौधा लगाने के बाद वह जीवित रहा या नहीं, इसकी ऑडिटिंग या जियो–टैगिंग की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

जानकारी होने पर सूरज के परिजन वहां पहुंचे और बिलखने लगे। उनका कहना था कि यह लाश सूरज की ही है। पुलिस ने अगर समय से खोजबीन की होती तो सूरज की मौत नहीं होती। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के अनुसार कुआं 50 फीट गहरा है। उसमें किसी युवक लाश दिखाई दे रही है। कुएं में पानी भरा जा रहा है। शव उताराने के बाद उसे निकाला जाएगा।

सत्ता की हनक में जमीन कब्जाओ अभियान?

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शहर में भाजपा की जिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन पर सत्ता के प्रभाव का दुरुपयोग कर बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने और पुलिस–प्रशासन को प्रभावित करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्रकार वार्ता में विजय प्रधान और अभिषेक बरनवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेत्री अपने राजनीतिक रसूख के दम पर कानून को चुनौती दे रही हैं।

विजय प्रधान ने दावा किया कि वह विवादित संपत्ति के प्रथम बैनामेदार हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके मकान के ताले में फेदीविवेक व अन्य रसायन डलवाकर कब्जे की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर कोतवाली पुलिस ने भी निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय उनके लगाए गए कैमरे हटवा दिए। पत्रकार वार्ता में यह भी आरोप लगाया गया कि भाजपा नेत्री के प्रभाव में पुलिस आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है और थाने में युवक की पिटाई जैसी घटनाएं इसी दबाव की मिसाल हैं। विजय प्रधान ने कहा कि सत्ता का संरक्षण मिलने से प्रशासन और पुलिस पर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिक न्याय के लिए भटकने को मजबूर हैं। पीडित पक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन के दावों पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

महिला विरोधियों पर पुलिस का प्रहार रू यमुना एक्सप्रेसवे पर मुठभेड़, अपहरण-छेड़छाड़ का वांछित ‘भूरा’ पैरों में गोली खाकर गिरफ्तार - बलदेव-महावन पुलिस और स्वाट की संयुक्तचेराबंदी। फायरिंग कर भाग रहा था शातिर, जवाबी कार्रवाई में दोनों पेर तोड़े। 9 संगीन केस, तमंचा-बाइक बरामद।

(मथुरा) महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मथुरा पुलिस ने एक बार फिर जीरो टॉलरेंस का सबूत दिया है। थाना बलदेव, महावन पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में अपहरण, छेड़छाड़ और लूट के कुख्यात अभियुक्त को यमुना एक्सप्रेसवे पर हुई मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में दहशत फैलाने वाले अपराधियों में हड़कंप मच गया है।



कारतूस और बिना नंबर की स्पेंडर बाइक बरामद की है। घायल भूरा को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। अभियुक्त के खिलाफ मथुरा के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, एससीए एसटी एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित 9 संगीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब इसके आपराधिक नेटवर्क और साधियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली टीम में थानाध्यक्ष बलदेव, थानाध्यक्ष महावन और स्वाट प्रभारी के नेतृत्व में कई पुलिसकर्मी शामिल थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरी टीम को शाबाशी दी है। एसपी सिटी ने कहा कि मथुरा में महिलाओं से छेड़छाड़ और अपराध करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। अपराध करोगे तो मुठभेड़ तय है।

साहित्यकार अधिदर्शक की पुण्यतिथि पर आयोजित हुई काव्य गोष्ठी

अधिदर्शक ने समाज की पीड़ा को आवाज दी - डर नीरज त्रिपाठी शब्दातीत को शब्द संभव बनाना कविता है - गणेश गंभीर

त्रिवेणी और हिंदी श्री साहित्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मिर्जापुर के चर्चित साहित्यकार अधिदर्शक की पुण्यतिथि पर विचार व कवि गोष्ठी का आयोजन प्ले वे स्कूल के सभागार में हुआ। मुख्य अतिथि डॉं नीरज त्रिपाठी, अध्यक्ष गणेश गंभीर व विशिष्ट अतिथि सलिल पाण्डेय, भगवती चौधरी, डॉली अग्रहरि, रचित जैन, राजेंद्र तिवारी, राजपति ओझा ने मां सरस्वती के प्रतिभा पर पुष्प अर्पित करके किया। मंचासीन अतिथियों के रवींद्र पांडेय, केदारनाथ सविता, विंध्यवासिनी केशरवानी कुलभूषण पाठक ने अंगवस्त्र से सम्मानित किया।

प्रारंभ में इला जायसवाल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने स्व. अधिदर्शक के चित्र पर पुष्पांजलि देकर अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन आनंद अमित और अनिल यादव ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि डॉं नीरज त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अधिदर्शक की रचनाएं हम सभी का मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की पीड़ा को आवाज दी। अध्यक्षता कर रहे गणेश गंभीर ने कहा शब्दातीत को शब्द संभव बनाना कविता है। सलिल पाण्डेय ने कविता के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा – मैया लक्ष्मी तुम्हारी महिमा अपरम्पार जिस पर कृपा बरसाती, हो जाता मोटा हाथी। साथ ही साहित्य में लेखन की बारीकियों पर चर्चा किए। भगवती चौधरी ने कहा अधिदर्शक साहित्य के कोहिनूर हो गए। मिर्जापुर में मशहूर हो गए। राजपति ओझा ने अधिदर्शक की रचनाओं की प्रशंसा की। डॉली अग्रहरि ने अधिदर्शक की स्मृतियों को साझा करते हुए उन्हें एक महान रचनाकार बताया। रचित जैन ने अधिदर्शक की पुस्तक दोस्त आनंद भवन रोता है और आपके हाथ में गुलाब आए को बेहतरीन पुस्तक बताया। राजेंद्र त्रिपाठी ने कहा अधिदर्शक एक अच्छे साहित्यकार थे।

काव्यपाठ के क्रम में रवींद्र पांडेय, गुमनाम मिर्जापुरी, विजय कुमार श्रीवास्तव, नंदलाल सिंह चंचल, रेखा चौरसिया, कुलभूषण पाठक, विंध्यवासिनी केशरवानी, अमरनाथ सिंह, प्रमोद गुप्ता, हौसला प्रसाद मिश्र, नंदिनी वर्मा, इरफान कुरेशी, केदारनाथ सविता, जगदीश पाण्डेय, इला जायसवाल, आनंद अमित, अन्नू और अनिल यादव ने अपनी रचनाएं सुनाईं। कार्यक्रम में जया पाठक, मुक्ति शर्मा, आस्था चतुर्वेदी, योगेश चतुर्वेदी, आनंद केशरी, इश्तियाक अहमद अंसारी, दिनेश चौधरी, अभिजीत कुमार गोड, दिलीप सिंह, संजीव कुमार पटेल, यशवीर राय, पूजा पाण्डेय, सावित्री कुमारी आदि उपस्थित रहे।

दुर्घटना में घायल बाइक सवार की मौत

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के नत्थनपुर बाजार में शुक्रवार की दोपहर को एक अज्ञात कार की चपेट में आकर 22 वर्षीय बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।उसकी उपचार के दौरान देर शाम को मौत हो गयी। कोतवालपुर चकधारा गांव निवासी अमीन पुत्र सुकुल्ला अपनी बाइक से किसी काम से नत्थनपुर बाजार आया था।वह अपना काम निपटाकर घर जा रहा था।उसी समय विपरीत दिशा से आ रही एक कार से उसकी बाइक में टक्कर लग गयी।वह बाइक सहित सड़क पर गिर गया। स्थानीय लोगों ने पररिजन को सूचना दिया।

पररिजन उसे उपचार के लिये ले गए।उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। सूचना पर थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह ने चिकित्सालय पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। थानाप्रभारी ने बताया कि पररिजन से तहरीर लेकर अज्ञात वाहन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।उसे खोजबीन के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है।

जनसेवा की मिसाल बना श्रद्धा हारिपटल

350 से अधिक लोगों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ

सुलतानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार स्थित श्रद्धा हॉस्पिटल में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जनसेवा की मिसाल बनता जा रहा है। 1 जुलाई से शुरू हुए इस शिविर में अब तक 350 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया है। क्षेत्र के साथ–साथ दूरदराज के मरीज भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। श्रद्धा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.सूरज वैश्य ने बताया कि शिविर 15 जुलाई तक लगातार संचालित रहेगा। इसमें सीबीसी, ईसीजी, टायफाइड जांच, डिजिटल एक्स–रे, ब्लड शुगर समेत कई महत्वपूर्ण जांचें पूरी तरह निःशुल्क की जा रही हैं। अब तक करीब 350 मरीजों का पंजीकरण कर उनकी जांच की जा चुकी है और जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया है।डॉ.वैश्य ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को समय रहते बीमारियों की पहचान कर उपचार के प्रति जागरूक करना है,ताकि गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव हैजब लोग नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने की इस पहल को क्षेत्र में सराहना मिल रही है ।



पर्यावरण संरक्षण को लेकर पत्रकारों ने उठाया कदम

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के बैनर तले एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के निर्देशन में आज सुल्तानपुर में वृहद पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत पौधे रोपे गए तथा 300 पौधों का वितरण किया गया।इस अभियान को एक पेड़ – एक पत्रकार नाम दिया गया है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना तथा प्रत्येक पत्रकार को कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प दिलाना है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पौधरोपण अभियान पूरे सप्ताह लगातार चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण के साथ–साथ लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के मण्डल महामंत्री नीरज तिवारी जिलाध्यक्ष रामानन्द जिला उपाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव जिला महामंत्री फरीद अहमद अर्शो अवधेश गुप्ता रामराज पाण्डेय सिद्धार्थ उपाध्याय राकेश कुमार शर्मा ओम प्रकाश शर्मा महामंत्री कुड़वार ब्लॉक सहित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार है।और आने वाली पीढ़ियों के सुक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है।



किसानों के खेतों से गहरे नहर से परेशान खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी



आने से हजारों किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं। इसके लिए लोगों ने कई बार इसकी शिकायत किया लेकिन नहर विभाग के आला अफसर आज तक कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं किसानों ने शासन प्रशासन से नहर में पानी पहुंचाए जाने की मांग शासन प्रशासन से की है जिससे किसान के धान की रोपाई समय से हो सके और अगर नहर में समय से पानी नहीं आया तो अन्नदाता किसान ६ राना प्रदर्शन और रोड जाम कर सकते हैं इसलिए नहर विभाग से संबंधित सभी अधिकारियों से विनम्र निवेदन है कि किसानो की बदहाल समस्या को देखते हुए नहर में पानी आना नितांत आवश्यक है।

चक्रतीर्थ पर पुलिस की दहाड - 12 मुकदमों वाला शातिर हिस्ट्रीशीटर दीपक मुठभेड़ में गिरफ्तार

गोविन्दनगर पुलिस-स्वाट ने चक्रतीर्थ पर की ताबड़तोड़ कार्रवाई, फायरिंग कर भाग रहा था हिस्ट्रीशीटर, पेर में गोली खाकर गिरा। तमंचा-बाइक बरामद।

(मथुरा मथुरा पुलिस ने अपराधिों के खिलाफ अपना कड़ा रुख एक बार फिर साबित कर दिया है। थाना गोविन्दनगर पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार तड़के 1२क़10 बजे चक्रतीर्थ घाट के पीछे हुई मुठभेड़



में हत्या के प्रयास के वांछित शातिर को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की इस दबिश से इलाके में सक्रिय अपराधियों में खलबली मच गई है। मुखाबिर की सूचना पर गऊघाट जाने वाले कच्चे रास्ते पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर आ रहे

दिया। एसपी सिटी ने पूरी टीम की सतर्कता और बहादुरी की सराहना करते हुए शाबाशी दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराधियों के लिए अब कोई जगह नहीं है। प्या तो अपराध छोड़ दो, वरना मुठभेड़ के लिए तैयार रहो॥

टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर निकला दीपक

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने लालडिग्गी पार्क में किया ओपन जिम का उद्घाटन

मीरजापुर । नगर पालिका परिषद मीरजापुर के अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने नगरवासियों के स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने



के उद्देश्य से लालडिग्गी पार्क में न्यू ओपन जिम का विधिवत पूजन अर्चन के बाद फीता काट कर उद्घाटन किया।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि पार्क में ओपन जिम खुल जाने से सुबह आने वाले बच्चों,महिलाओं और पुरुषों को इसका लाभ मिलेगा।आज के समय में नियमित व्यायाम ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।इस ओपन जिम से सभी आयु वर्ग के लोग निःशुल्क व्यायाम कर सकेंगे और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।उन्होंने पार्क आने वाले नागरिकों से पार्क की स्वच्छता बनाए रखने और जिम के उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील भी की।इस उद्घाटन समारोह में नगर पालिका के अधिकारी,स्थानीय नागरिक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माँ विन्ध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में टीबी उन्मूलन पर आयोजित हुआ विशेष व्याख्यान

मिर्जापुर । माँ विन्ध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (MVASMC), मिर्जापुर में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के अंतर्गत ‘टीबी उन्मूलन – चुनौतियाँ एवं समाधान’ विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सूर्यकांत रहे, जो धन्वंतरी सेवा न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, श्वसन रोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (KGMU), लखनऊ, चेयरमैन, नॉर्थ जोन टास्क फोर्स फॉर टीबी एलिमिनेशन तथा



NATCON 2026 के अध्यक्ष हैं।

अपने व्याख्यान में प्रो. सूर्यकांत ने भारत को टीबी मुक्त बनाने के राष्ट्रीय संकल्प, समय पर रोग की पहचान, आधुनिक जांच तकनीकों, उपचार में नियमित दवा सेवन, संक्रमण नियंत्रण, पोषण सहायता तथा जन–जागरूकता की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने चिकित्सकों एवं चिकित्सा विद्यार्थियों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS) डॉ. सचिन किशोर, डॉ. पंकज पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, श्वसन रोग विभाग, डॉ. राकेश सिंह, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ. क्षितिज, प्रो. विश्वजीत दास, प्रो. विपिन कुमार सहित महाविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य, विशेषज्ञ चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर एवं एमबीबीएस छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने टीबी उन्मूलन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा प्रो. सूर्यकांत के प्रेरणदायी एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान की सराहना की। महाविद्यालय प्रशासन ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान को और अधिक गति प्रदान करेंगे।

पुरातत्व विभाग के निर्देश पर मिर्जापुर घंटाघर के जीर्णोद्धार की कवायद तेज फिर लोटगा घंटाघर का ऐतिहासिक वैभव

मीरजापुर । नगर के हृदय स्थल और ऐतिहासिक पहचान माने जाने वाले घंटाघर के संरक्षण की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी के लगातार प्रयासों का असर दिखा है। उनके प्रस्ताव पर उत्तर प्रदेश सरकार के पुरातत्व विभाग ने संज्ञान लेते हुए घंटाघर के जीर्णोद्धार का निर्णय लिया है। इसी क्रम



में पुरातत्व विभाग के निर्देश पर दिल्ली से विशेषज्ञ आर्किटेक्ट्स की एक टीम ने आज ऐतिहासिक घंटाघर का गहन निरीक्षण किया। टीम ने घंटाघर की संरचना, वास्तुकला, क्षतिग्रस्त हिस्सों और उसकी मूल डिजाइन का बारीकी से अध्ययन किया। फोटोग्राफी, मापन और संरचनात्मक परीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए।बताया गया कि टीम द्वारा जल्द ही एक विस्तृत डी.पी.आर. (वमजंपस च्त्तवरमबज त्मचवतज) तैयार कर पुरातत्व विभाग को सौंपी जाएगी। कार्य योजना के तहत घंटाघर को उसके ऐतिहासिक मूल स्वरूप में परिवर्तित किया जाएगा, ताकि शहर की इस धरोहर को उसका पुराना वैभव लौटाया जा सके।ऐतिहासिक इमारत घंटाघर की घड़ी वर्षों से बंद पड़ी थी, जो शहर की पहचान थी। नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने बताया कि हमारी मंशा है कि घंटाघर सिर्फ एक इमारत न रहे, बल्कि पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो। डीपीआर स्वीकृत होते ही अतिशीघ्र कार्य शुरू कराया जाएगा। इस खबर से नगरवासियों में हर्ष है।

सतलुज विवाद पर खनीत सिंह बिट्टू ने जो सवाल उठाये हैं क्या दिलजीत दोसांझ उनका जवाब देगे?

हम आपको बता दें कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब सतलुज ओटीटी पर रिलीज होने के महज दो दिन बाद ही वहां से हटा ली गई। इस कदम के बाद पंजाब के फिल्म जगत, सोशल मीडिया और पंजाब सरकार के कुछ हलकों में यह सवाल उठने लगे कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते फिल्म हटाई गई।पंजाब की राजनीति में एक बार फिर इतिहास, सिनेमा और सियासत आमने सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक बहस में बदल गया है। केंद्रीय मंत्री खनीत सिंह बिट्टू ने दिलजीत दोसांझ और

फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहन पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि फिल्म के जरिए पंजाब के उग्रवाद के दौर की केवल एकतरफा तस्वीर पेश की जा रही है और समाज में पुराने जख्मों को फिर से कुरेदने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दो टुक कहा कि केंद्र सरकार का फिल्म को ओटीटी मंच से हटाने में कोई हाथ नहीं है। साथ ही उन्होंने पूरे विवाद को सुनियोजित प्रचार करार दिया। हम आपको बता दें कि विवाद की शुरुआत तब हुई जब सतलुज ओटीटी पर रिलीज होने के महज दो दिन बाद ही वहां से हटा ली गया है। इस कदम के बाद पंजाब के फिल्म जगत, सोशल मीडिया



और पंजाब सरकार के कुछ हलकों में यह सवाल उठने लगे कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते फिल्म हटाई गई। हालांकि खनीत सिंह बिट्टू ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सरकार का ऐसे मंचों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उनका दावा है कि फिल्म के निर्माताओं ने स्वयं ही इसे हटाया क्योंकि उन्हें जितना आर्थिक लाभ चाहिए था, वह मिल चुका था। उन्होंने कहा कि जब स्वयं दिलजीत दोसांझ पहले ही यह कह चुके थे कि फिल्म केवल दो तीन दिन के लिए उपलब्ध रहेगी, तभी समझ जाना चाहिए था कि पूरे घटनाक्रम में कुछ न कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को फिल्म हटानी ही होती तो उसे प्रसारित होने की अनुमति ही क्यों दी जाती। बिट्टू ने आरोप लगाया कि पहले फिल्म को प्रसारित कर माहौल बनाया गया और फिर उसे हटाकर सरकार पर प्रतिबंध लगाने का आरोप मढ़ दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने

दिलजीत दोसांझ पर केवल इस विवाद तक हमला सीमित नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि दिलजीत केवल धन कमाने के लिए काम करते हैं और विदेश में बैठकर पंजाब के लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने उन्हें बहुरूपिया बताते हुए कहा कि वह लॉस एंजलिस में रहकर पंजाब की भावनाओं से खेल रहे हैं। बिट्टू ने सवाल उठाया कि यदि दिलजीत को समाज और मानवाधिकारों की इतनी चिंता है तो उन्होंने मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा पर फिल्म क्यों नहीं बनाई? उन्होंने फिल्म नही करते। उन्होंने यह दावा भी किया कि विदेशों में अपने कार्यक्रमों के दौरान दिलजीत खालिस्तान के झंडे लेकर आने वालों को हटाने की बात करते हैं और फिर सवाल उठाया कि

आखिर उनके पीछे कौन-सी ताकतें काम कर रही हैं? खनीत सिंह बिट्टू ने स्पष्ट किया कि उन्हें पंजाब में उग्रवाद के दौर पर फिल्म बनने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनका विरोध केवल एकतरफा कहानी दिखाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि यदि उस दौर की कहानी दिखाई जा रही है तो उन पुलिस अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और निर्दोष नागरिकों के बलिदान को भी सामने लाया जाना चाहिए जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण गंवाए। उन्होंने दिलजीत दोसांझ और हनी त्रेहन को चुनौती देते हुए पूछा कि क्या वह उन पुलिस अधिकारियों और आम नागरिकों पर भी फिल्म बनाएंगे जिनकी 1984 के बाद के दौर में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने लालटू के पास एक सौ पच्चीस यात्रियों के नरसंहार और युवा भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अविंदर सिंह की हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख करते

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएमएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरु होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध 1 कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनाना भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014–15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएमएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का

लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है। यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सरती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईसीई) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। वर्ष 2017–18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे

आरकेंवीवाई–रफार्म (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरंत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएमएम के रणनीतिक स्तंभ कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएमएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देनाकृषि आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है। खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मददरु इसका देनारू आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है। खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मददरु यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को कृषि मशीन की लागत का 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे और सीमांत किसानों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, छोटे एवं सीमांत किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन सहित मशीनीकृत कृषि सेवाओं के उपयोग के लिए एक्वेटर 2,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है।

किराये पर मशीनें देने के लिए शफार्म मशीनरी बैंक (एफएमबी) बनानारू यह योजना एसएचजी, एफपीओ और स्थानीय संस्थाओं को कृषि मशीनें खरीदने के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। सीएचसी की स्थापना के लिए 250 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर कुल लागत का 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती

हुए कहा कि इन परिवारों के दर्द को भी देश के सामने लाया जाना चाहिए। फिल्म में किए गए उस दावे पर भी केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया जिसमें पच्चीस हजार अज्ञात शवों के गुप्त तरीके से निपटान की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह दावा तथ्यात्मक है तो निर्माता उसके प्रमाण सार्वजनिक करें। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि पच्चीस हजार तो दूर, यदि पांच हजार मामलों का भी पूरा ब्यौरा मीडिया, संबंधित आयोग या न्यायालय के सामने रख दिया जाए तो वह अपनी बात वापस लेने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों के बिना ऐसे गंभीर आरोप समाज में भ्रम और तनाव पैदा करते हैं।अपने परिवार के इतिहास का जिक्र करते हुए खनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि उनके दादा और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने आतंकवाद के कठिन दौर में राज्य में शांति बहाल करने के लिए संघर्ष किया था और इसी दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि उस समय पंजाब में भय का ऐसा माहौल था कि सामान्य सामाजिक जीवन पर प्रभावित हो गया था। विवाद समारोहों से लेकर महिलाओं के पहनावे तक पर आतंक का साया था। उन्होंने उस दौर की तुलना कट्टर शासन से करते हुए कहा कि आज की शांति बहाल कठिन संघर्ष के बाद मिली है और इसे केवल फिल्म की कमाई या राजनीतिक लाभ के लिए दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में घटनाक्रम की समथरेखा को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने

कहा कि जसवंत सिंह खालरा के लापता होने की घटना उनके दादा की हत्या के बाद हुई थी और उस समय पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में उस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी किसकी थी, इस पर भी सवाल उठना चाहिए। उन्होंने अकाली दल पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि गांवों और गुरुद्वारों में फिल्म का प्रदर्शन कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जसवंत सिंह खालरा की पत्नी ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पर भी गंभीर आरोप लगाए थे, जिनकी चर्चा आज नहीं की जाती। साथ ही खनीत सिंह बिट्टू ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात विस्तार से रखते हुए कहा कि इतिहास की केवल एक तरफा नहीं, बल्कि पूरी सच्चाई को जानना जरूरी है। उन्होंने लिखा कि पंजाब ने अपने निर्दोष लोगों के बलिदान के साथ जो असहनीय उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि उस समय पंजाब में भय का ऐसा माहौल था कि सामान्य सामाजिक जीवन पर प्रभावित हो गया था। विवाद समारोहों से लेकर महिलाओं के पहनावे तक पर आतंक का साया था। उन्होंने उस दौर की तुलना कट्टर शासन से करते हुए कहा कि आज की शांति बहाल कठिन संघर्ष के बाद मिली है और इसे केवल फिल्म की कमाई या राजनीतिक लाभ के लिए दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में घटनाक्रम की समथरेखा को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने

भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को नई दिशा, व्यापार बढ़ाने से लेकर आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति तक बढ़े फैसले

ऑकलैंड „। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के निमंत्रण पर उनके भारतीय समकक्ष पीएम नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड के आदि कारिक दोरे पर हैं। यह पिछले 40 सालों में किसी भारतीय प्र्तानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती और साझेदारी में एक नया आयाम दिखाता है। 10 जुलाई से शुरू हुए न्यूजीलैंड दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी का गवर्नमेंट हाउस में औपचारिक स्वागत हुआ। उन्होंने प्रधानमंत्री लक्सन के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। द्विपक्षीय बातचीत के बाद उन्होंने न्यूजीलैंड में बिजनेस लीडर्स और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया और देश के खेल इनोवेशन का प्रदर्शन देखा।दोनों प्रधानमंत्रियों ने मार्च 2025 में पीएम लक्सन के भारत दौरे को याद किया, जिस दौरान भारत-न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की और रक्षा, शिक्षा, कस्टम्स, उद्यान विज्ञान, वन और खेल जैसे जरूरी क्षेत्रों में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पुरानी दोस्ती, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, लोगों के बीच गहरे संबंधों और हिंद-प्रशांत में साझा हितों को देखते हुए, दोनों प्रधानमंत्रियों ने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारीच तक बढ़ाने का फैसला किया। इसलिए उन्होंने अगले चार सालों में मिलकर काम करने के लिए एक फ्रेमवर्क के तौर पर भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारीच रोडमैप 2030 का समर्थन किया।राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीतदोनों पक्षों ने अपने-अपने प्रधानमंत्रियों और मंत्रियों के बीच नियमित आपसी दौरे और बैठक करने पर सहमति जताई, जिसमें क्षेत्रीय और बहुपक्षीय कार्यक्रमों के दौरान होने वाली बैठकें भी शामिल हैं। संबंधों को रणनीतिक दिशा देने और 2030 के रोडमैप के तहत विकास की समीक्षा करने के लिए, प्रधानमंत्रियों ने रेगुलर फॉरेन मिनिस्टर्स डायलॉग शुरू करने और भारत के विदेश मंत्रालय और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय और व्यापार मंत्रालय के बीच वार्षिक वरिष्ठ अि्वारियों की मीटिंग प्रैक्टिस को मजबूत करने पर सहमति जताई।प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों की पार्लियामेंट के बीच नियमित संवाद को बढ़ावा दिया, जिसमें भारतीय पार्लियामेंट में हाल ही में न्यूजीलैंड के लिए बनाए गए पार्लियामें्ट्री फ्रेंडशिप ग्रुप और पार्लियामेंट मेम्बर्स के दौरे शामिल हैं।रक्षा और सुरक्षा सहयोगदोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में हुई प्रगति की सराहना की।

आज का राशिफल

मे़ष राशि

मे़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। आपकी बेहतर कार्यप्रणाली से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे।

वृ़ष राशि–

वृ़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। परिवार का माहौल आपके लिए अच्छा होगा।

मिथुन राशि–

मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। शांत मन से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशि–

सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज किसी मित्र पर भरोसा रखना आपके कामों को नैजेज करने में मदद करेगा तथा मुश्किल काम भी आपको आसान लगे़े। कन्या राशि–

कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए बॉस से बात करेंगे,

तुला राशि–

तुला राशि वालों आज का दिन मिले–जुले परिणाम देने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन आपको सफलता दिला सकता है।

वृश्चिक राशि–

वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपकी काफी दिनों पुरानी निजी समस्या सुलझ जाने से बहुत सुकून मिलेगा। धनु राशि–

धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण से आपको प्रसन्नता होगी।

मकर राशि–

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ राशि–

कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उपलब्धियां लेकर आने वाला है।

मीन राशि–

मीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। आज आपको सकारात्मक सोच से कार्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए।

लखनऊ, रविवार 12 जुलाई 2026

sheelshukla100@gmail.com

5

मुख्यमंत्री ने दी हँरैया व कप्तानगंज विधानसभा को 504.34 करोड़ की 77 विकास परियोजनाओं की सौगात

बस्ती मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को हरैया पहुंचे और हरैया और कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्रों में कुल 504.34 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। हरैया विधानसभा में 85.54 करोड़ रुपये की 22 नई परियोजनाओं का शिलान्यास और 275.76 करोड़ रुपये की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। जबकि कप्तानगंज विधानसभा में 62.08 करोड़ रुपये की 8 परियोजनाओं का शिलान्यास और 80.96 करोड़ रुपये की पूर्ण हो चुकी 17 परियोजनाओं का लोकार्पण किया।

हरैया विधानसभा में जिन प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है, उनमें मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय (पीएमश्री) का निर्माण, सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, ग्रामीण संपर्क मार्ग, पर्यटन विकास, छात्रावास निर्माण, नगर पंचायत हरैया में गौशाला व अमृत सोरोवर निर्माण और सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं।लोकार्पण वाली प्रमुख परियोजनाओं में राजकीय पालिटेक्निक हरैया, राजकीय

महाविद्यालय भवन, अनेक प्रमुख मार्गों का निर्माण व चौड़ीकरण, सिंचाई एवं बाढ़ सुरक्षा कार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, छात्रावास, पर्यटन विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

कप्तानगंज विधानसभा में शिलान्यास के तहत गोटवा-ऊंजी मार्ग, ललहवा-बाबा राम निहाल दास मार्ग, कोयलिया-शिवाघाट मार्ग के चौड़ीकरण, बाबा भारी नाथ शिव स्थल के पर्यटन विकास, ग्रामीण संपर्क मार्ग और सिंचाई परियोजनाएं प्रमुख हैं। यहां नगर पंचायत कप्तानगंज के कार्यालय भवन, वेलकम मंडप, विभिन्न ग्रामीण संपर्क मार्ग, सड़क चौड़ीकरण, पर्यटन विकास, स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और सिंचाई की योजनाओं का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से दोनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क संपर्क, शिक्षा, पर्यटन, सिंचाई, स्वास्थ्य और शहरी व ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी, साथ ही क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस दौरान

कृषि मंत्री और बस्ती प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, भाजपा जिलाध् यक्ष विवेकानंद मिश्र, एमएलसी सुभाष यदुवंश, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, वि् ायक अजय सिंह, विधायक दूध राम, पूर्व विधायक दरियाराम चौधरी, पूर्व विधायक रवि सोनकर, पूर्व विधायक सीपी शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष यशकांत आदि मौजूद रहे। भी भव्य जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

कृषि मंत्री और बस्ती के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश का कायाकल्प हो चुका है। वर्ष 2017 वर्ष के पहले बिजली, पानी और स्वास्थ्य पर कोई ध्यान नहीं दिया। आज लालटेन युग का अंत हो चुका है। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हो गई हैं। किसानों के गन्ना मूल्य मुग्तान किया। मुंडेरवा और पिपराइच में चीनी मिल शुरू करायी। जहाँ आयेध्या में खून की नदियां बहाई आज वह राम भक्ति दिखा रहे हैं। पांचों विधान सभा क्षेत्र को भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया।

गोरखपुर, । पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे प्रमुख पर्यटन केंद्रों में से एक, रामगढ़ताल का आकर्षण अब और बढ़ने जा रहा है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप रामगढ़ताल का विश्व स्तरीय पर्यटन हब बनाने में जुटे जीडीए (गोरखपुर विकास, प्राधिकरण) ने ताल में एक अत्याधुनिक पर्यटन सेवा शुरू करने की पहल की है। ताल की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए अब यहां एक अत्याधुनिक और ईको फ्रेंडली श्बैबू रेस्टोरेंटश् (बांस से बना रेस्टोरेंट) शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए जीडीए ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है। श्बैबू रेस्टोरेंट के निर्माण और गुणवत्ता के मानक जीडीए तय करेगा, जबकि इसका संचालन निजी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा। रामगढ़ताल में श्बैबू रेस्टोरेंट शुरू करने के स्टेट वेटलैंड कमेटी से अनुमति मिल गई है ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से निखरे नैसर्गिक रामगढ़ताल को पिछले कुछ सालों से पूर्वी उत्तर प्रदेश के शानदार दृरिस्ट स्पॉट के रूप में जाना जाता है। ताल

में क्रूज (लेक क्वीन) और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के संचालन पहले से हो रहा है। अब जीडीए यहां श्बैबू रेस्टोरेंट की परिकल्पना को साकार करने जा रहा है। इसके लिए जीडीए ने जो कार्ययोजना बनाई है, उसके अनुसार श्बैबू रेस्टोरेंट नया सर्वेरा पार्ट 2 से सटे ताल के हिस्से में बनाया जाएगा। इस हिस्से को टर्टल आइलैंड कहा जाता है और यहीं पर एक एकड़ में श्बैबू रेस्टोरेंट बनना प्रस्तावित है। रेस्टोरेंट के लिए चिन्हित स्थल पर अभी मछली पकड़ने का ठेका संचालित होता है। पर्यटकों की सुविधा की दृष्टि से इसे सहारा एस्टेट की तरफ शिफ्ट करने की तैयारी है। इस तरह प्रस्तावित श्बैबू रेस्टोरेंट, नया सर्वेरा पार्ट 2 से जुड़ा होगा और पर्यटकों का यहां पड़ुचना सुविधाजनक होगा।जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल के अनुसार रामगढ़ताल में श्बैबू रेस्टोरेंट के संचालन में वेटलैंड संरक्षण और ईशे लेकर रामसर सम्मेल के प्रावधानों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। श्बैबू रेस्टोरेंट शुरू करने को लेकर स्टेट वेटलैंड कमेटी से अनुमति

हत्या के तीन दोषियों को आजीवन कारावास, 50-50 हजार रुपये जुर्माना

आजमगढ़, (आर एन एस)जनपद आजमगढ़ पुलिस के “ऑपरेशन कनविकशन” अभियान के तहत अपराधियों को सजा दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना,मॉनिटरिंग सेल की प्रभावी निगरानी और अभियोजन पक्ष की मजबूत पैरवी के परिणामस्वरूप हत्या के एक मामले में न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने तीनों दोषियों पर 50–50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।[जिला एवं सत्र न्यायालय, आजमगढ़ द्वारा सुनाए गए इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद पुलिस विभाग ने इसे न्यायिक प्रक्रिया में प्रभावी पैरवी और बेहतर अनुसंधान का परिणाम बताया है। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को मजबूती मिली है और पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम पूरा हुआ है।

यह मामला थाना अहरोला क्षेत्र से संबंधित है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 30 सितंबर 2024 को थाना अहरोला में आलमपुर निवासी विनोद चौहान पुत्र स्वर्गीय श्रीराम चौहान द्वारा लिखित तहरीर दी गई थी। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने उनके पिता श्रीराम चौहान की गोली मारकर हत्या कर दी।वादी विनोद चौहान की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि आलमपुर निवासी शुभम चौहान पुत्र सुरेन्द्र, राम सेवक चौहान पुत्र सुरेन्द्र, राम सेवक चौहान पुत्र छांगुर और सुरेन्द्र पुत्र राम सेवक चौहान ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए घटनास्थल

से जुड़े साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को एकत्र किया। जांच के दौरान आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त साध्य मिलने के बाद पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।पुलिस के अनुसार, इस संबंध में थाना अहरोला पर मुकदमा अपराध संख्या 417ध्2024 पंजीकृत किया गया था। आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (ठगै) की संबंधित धाराओं तथा आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।मामले की विवेचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर जांच प्रक्रिया को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया गया। पुलिस की मॉनिटरिंग सेल द्वारा मुकदमे की लगातार निगरानी की गई, जिससे न्यायालय में मजबूत पैरवी सुनिश्चित हो सके।12 गवाहों की हुई गवाही मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा कुल 12 गवाहों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गवाहों के बयान, पुलिस विवेचना के दौरान जुटाए गए साध्य और अभियोजन पक्ष की प्रभावी दलीलों के आधार पर न्यायालय ने पूरे मामले की सुनवाई की।अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष घटना से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को मजबूती के साथ रखा। पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर न्यायालय ने आरोपियों को हत्या के अपराध में दोषी पाया।दिनांक 10 जुलाई 2026 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट, आजमगढ़ ने मामले में फैसला सुनाते हुए तीनों आरोपियों को दोषसिद्ध घोषित कर जांच शुरू की थी। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि आलमपुर निवासी शुभम चौहान पुत्र सुरेन्द्र, राम सेवक चौहान पुत्र छांगुर और सुरेन्द्र पुत्र राम सेवक चौहान पुत्र सुरेन्द्र, राम सेवक चौहान, सभी निवासी आलमपुर थाना अहरोला जनपद आजमगढ़ को हत्या के अपराध में दोषी मानते हुए प्रत्येक को आजीवन कारावास की सजा

मिल गई है। श्बैबू रेस्टोरेंट को बनाने में कंक्रीट, स्टील आदि का प्रयोग प्रतिबंधित होगा। यहां ऐसी किसी गतिविधि की अनुमति नहीं होगी जिससे पर्यावरण को कोई खतरा हो। रेस्टोरेंट में ग्रे वाटर की रिसाइक्लिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित रहेगी। पर्यटकों को नई सुविधा, जीडीए का बड़ेगा राजस्व’ रामगढ़ताल में श्बैबू रेस्टोरेंट के खुलने पर पर्यटकों को विश्व स्तरीय नई सुविधा मिल जाएगी। साथ ही इसके संचालन से मिलने वाले किराए की रकम से जीडीए के राजस्व में भी वृद्धि होगी। रेस्टोरेंट के संचालन से मिलने वाले किराए और टैक्स से होने वाली आय को शहर के अन्य विकास कार्यों में लगाया जा सकेगा। श्बैबू रेस्टोरेंट सैलानियों को शानदार प्राकृतिक वातावरण में ताल की खूबसूरती को निहारने और अनेकानेक व्यंजनों को लुत्फ का सुखद एहसास कराएगा।क्या होता है श्बैबू रेस्टोरेंट?श्बैबू रेस्टोरेंट की पूरी संरचना बांस से बनाई जाती है। वाह्य ढांचा बनाने से लेकर आंतरिक साज सज्जा तक इसमें बांस का ही इस्तेमाल किया जाता है।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, अभिभावक केवल वैध वाहनों से ही भेजें बच्चों को स्कूल

आजमगढ़,(आर एन एस)संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), आजमगढ़ ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार जनपद में संचालित विद्यालय वाहनों की सुरक्षा तथा छात्र–छात्राओं के सुरक्षित आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा विद्यालय प्रबंधनों को वाहनों के समस्त अभिलेख एवं सुरक्षा मानकों को पूर्ण कराने के लिए लगातार निर्देशित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न विद्यालयों को अब तक कम से कम 06 बार नोटिस भेजे जा चुके हैं। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 01 अप्रैल से 31 मई तक विद्यालयों का भ्रमण कर वाहन संबंधी कमियों से विद्यालय प्रबंधन को अवगत कराते हुए आवश्यक प्रपत्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके बावजूद लगभग 544 विद्यालय वाहनों के परमिट एवं फिटनेस समाप्त होने के बाद भी अभिलेख पूर्ण नहीं कराए गए, जिसके चलते ऐसे वाहनों का पंजीयन निलंबित कर दिया गया है।जनपद में बिना वैध प्रपत्रों अथवा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किए बिना संचालित विद्यालय वाहनों के विरुद्ध विशेष सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत चालान, वाहन निरुद्ध (सीज) करने सहित अन्य विधिकां कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय प्रबंधन की होगी।संभागीय परिवहन अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को केवल उन्हीं विद्यालय वाहनों से स्कूल भेजें, जिनके सभी आवश्यक प्रपत्र एवं सुरक्षा मानक पूर्ण हो। साथ ही विद्यालय प्रबंधनों को निश्चित किया गया है कि जिन वाहनों के अभिलेख पूर्ण नहीं हैं, उनका संचालन किसी भी स्थिति में न किया जाए।

ग्रामीण क्षेत में स्वरोजगार के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण पर मिलेगा 5 वर्ष तक ब्याज अनुदान

आजमगढ़, (आर एन एस)जिला ग्रामोद्योग अधिकारी दीपक मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026–27 हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों को अधिकतम 10 लाख रुपये तक के बैंक ऋण पर 5 वर्ष तक ब्याज अनुदान का लाभ प्रदान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के मूल निवासी, कक्षा–8 उत्तीर्ण, पॉलिटेक्निकआईटीआई उत्तीर्ण अथवा पारंपरिक कारीगरश्अनुभवी व्यक्ति, जिनकी आयु 18 से 50 वर्ष के बीच हो, आवेदन कर सकते हैं। सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जातिव्जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक एवं महिलाएं) को 5 प्रतिशत अंशदान करना होगा।उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को बैंक ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज स्वयं वहन करना होगा, जबकि शेष ब्याज तथा आरक्षित वर्ग के सभी लाभार्थियों के लिए बैंक ऋण पर देय संपूर्ण ब्याज का भुगतान राज्य सरकार द्वारा 5 वर्षों तक किया जाएगा। पूर्व में किसी अन्य सरकारी योजना के अंतर्गत ऋणश्अनुदान प्राप्त कर चुके व्यक्ति इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।होर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक अभिलेख अपलोड करें तथा आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिधारी, आजमगढ़ में जमा करें। लाभार्थियों का चयन स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाएगा।

सीटी स्कैन के लिए मरीजों को मंडलीय जिला चिकित्सालय ही भेजें सभी अधीक्षक व प्रभारी चिकित्साधिकारी रूसीएमओ

आजमगढ़ (आर एन एस) मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने जनपद के सभी सरकारी चिकित्सालयों के अधीक्षकों एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि उपचार के दौरान जिन मरीजों को सीटी स्कैन जांच की आवश्यकता हो, उन्हें मंडलीय जिला चिकित्सालय, आजमगढ़ ही रेफर किया जाए, जहां दो स्थानों पर सीटी स्कैन की जांच पूरी तरह नि:शुल्क की जा रही है।सीएमओ ने सौ शैथ्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय अतरोलिया, तरवां एवं लालगंज सहित जनपद के समस्त सरकारी चिकित्सालयों को निर्देशित किया है कि सीटी स्कैन के लिए रेफर किए जाने वाले प्रत्येक मरीज का विवरण संबंधित चिकित्सालय के ओपीडी रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। डॉ. एन. आर. वर्मा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी भी सरकारी चिकित्सालय या सरकारी चिकित्सक द्वारा मरीज को सीटी स्कैन के लिए निजी जांच केंद्र भेजे जाने की सूचना अथवा शिकायत प्राप्त होती है तो प्रकरण की जांच कर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई अवश्य की जाएगी। इस मामले में किसी भी स्तर पर हीलाहवाली या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जेएसवाई भुगतान में फिसड़ई पवई, अतरोलिया और फूलपुर को एक सप्ताह का अल्टीमेटम

आजमगढ़ (आर एन एस)जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के तहत पात्र लाभार्थियों के भुगतान में लापरवाही अब भारी पड़ सकती है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए खराब प्रदर्शन वाले पवई, अतरोलिया और फूलपुर के चिकित्सा अधीक्षकों एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर लंबित भुगतान निपटाने और प्रगति में सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित समय में अंशित सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी. मंत्रा पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनपद में कुल 8,700 प्रसव के सापेक्ष अब तक 6,706 लाभार्थियों को ही भुगतान किया गया है। इस प्रकार जिले की कुल भुगतान प्रगति 77 प्रतिशत है, जबकि अभी 1,994 लाभार्थियों का भुगतान लंबित है। सीएमओ ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पात्र माताओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा में फूलपुर की स्थिति सबसे खराब मिली, जहां भुगतान की प्रगति महज 58 प्रतिशत रही। अतरोलिया में 67 प्रतिशत और पवई में 69 प्रतिशत लाभार्थियों को भुगतान किया गया है। सीएमओ ने तीनों इकाइयों के प्रभारियों को सात दिन के भीतर लंबित मामलों का तेजी से निस्तारण कर भुगतान की स्थिति में ठोस सुधार लाने के निर्देश दिए हैं।डॉ. वर्मा ने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है। ऐसे में अगली समीक्षा से पहले सभी संबंधित अधिकारी लंबित भुगतान का निस्तारण सुनिश्चित करें। खराब प्रगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगे और उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए संस्तुति की जाएगी। वहीं, बेहतर प्रदर्शन करने वाले तहबरपुर ने 89 प्रतिशत भुगतान के साथ जिले में पहला स्थान हासिल किया है। मिर्जापुर 88 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि रानी की सराय और मेहनपुर ने 87–87 प्रतिशत तथा कोइल्सा ने 86 प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित किया है।

जुर्मी

आजमगढ़ (आर एन एस)पवई थाना क्षेत्र के हेवती गांव में शुक्रवार बीती रात को हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड ने पूरे जिले को झकझोर दिया। गांव के 70 वर्षीय जगदम्बा प्रसाद यादव और उनके 25 वर्षीय पोते श्रेयांशु उर्फ अंकित यादव तथा एडीजी वाराणसी ने जन पीयूष मोड्डिया स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का बारीकी से निरीक्षण किया। अडि्कारियों ने घटनास्थल पर मौजूद पुलिस टीम, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और डॉंग स्व्वायड से जानकारी लेकर जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए।जानकारी के अनुसार, जगदम्बा प्रसाद यादव गांव से करीब 300 मीटर दूर स्थित अपनी पाही (छावनी) पर सो रहे थे, जबकि उनका पोता अंकित घर में सोया हुआ था। देर रात दादी फूलकुमारी को कुछ आहट सुनाई

सुभासपा ने गांव-गांव चलाया जनसंपर्क अभियान, 19 जुलाई के सामाजिक समरसता कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने की अपील

आजमगढ़ (आर एन एस)दीदारगंज विधानसभा क्षेत्र के राजागंज, पिछौरा, कुंभ, आईलिया, कोहरौली, खजुरा, फतुही, लसड़ा खुर्द, लसड़ा कला सहित कई गांवों में शुक्रवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने चौपाल लगाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से लोगों को अवगत कराते हुए अधिक से अधि क लोगों को संगठन से जुड़ने का आह्वान किया गया।अभियान का नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (व्यापार प्रकोष्ठ) एवं दीदारगंज विधानसभा प्रभारी शैलेंद्र सिंह श्गुइश् ने किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी 19 जुलाई को मार्टिनगंज ब्लॉक मुख्यालय के सामने स्थित इंटर कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित होने वाले सामाजिक समरसता कार्यकर्ता सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर सहित शीर्ष नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई।लसड़ा खुर्द स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित चौपाल को संबोधिात करते हुए शैलेंद्र सिंह श्गुइश् ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। संगठन की मजबूती और पार्टी की सफलता कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण पर निर्भर करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत बनाने और आगामी वि्ानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।कार्यक्रम में मोहन राजभर, प्रहलाद राजभर, रमेश राजभर, संजय सिंह, शैलेंद्र सिंह, अंजनी त्रिपाठी, सनी राजभर, चंदेज राजभर सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बच्चों में सही अंतराल से स्वस्थ होगी मां, खुशहाल होगा परिवार-सीएमओ

आजमगढ़। बढ़ती जनसंख्या का सवाल केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध परिवार की आर्थिक स्थिति, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से है। ऐसे में जिम्मेदार परिवार और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल स्वस्थ समाज की मजबूत नींव बन सकता है।विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनपद में 11 से 18 जुलाई तक विशेष विश्व जनसंख्या दिवस अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने जनपदवासियों, विशेषकर नवविवाहित एवं युवा दंपतियों से

जिम्मेदारी के साथ परिवार नियोजन अपनाने और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल रखने की अपील की है। सीएमओ ने बताया कि इस वर्ष अभियान का मुख्य थीम “मां और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य तथा अनचाहे गर्भ से बचाव के लिए गर्भधारण को सही समय और बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल” निर्धारित की गई है। वहीं अभियान का स्लोगन “जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल” है।डॉ. वर्मा ने कहा कि दो बच्चों के जन्म के बीच उचित अंतराल रखने से मां को पुनः स्वस्थ होने के लिए पर्याप्त समय मिलता है और बच्चे को

बेहतर पोषण एवं देखभाल मिलती है। उन्होंने नवविवाहित एवं युवा दंपतियों से अपील की कि वे सामाजिक दबाव के बजाय अपनी आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखकर परिवार बढ़ाने का निर्णय लें। परिवार नियोजन केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें पुरुषों की बराबर भागीदारी भी आवश्यक है।एडिशनल सीएमओ एवं आरसीएच नोडल अधिकारी डॉ. उमाशरण पांडेय ने बताया कि सही जानकारी का अभाव और परिवार नियोजन सा्ानों को लेकर प्रचलित भ्रांतियां आज भी बड़ी चुनौती हैं।

बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, समानता और गरिमामय जीवन का अधिकार : सचिव

चित्रकूट। बच्चों को सुरक्षित, सम्मानजनक और गरिमापूर्ण बचपन सुनिश्चित कराना, परिवार, समाज और राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। यह विचार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इला चौधरी ने स्थानीय .िटि नियम 2016 बाल श्रम कराने को प्रतिबंधित करता है। इसी प्रकार शिक्षा का अधिकार एक्ट 6 से 14 वर्ष के बच्चों की अनिवार्य शिक्षा की हिमायत करता है। .िटि संविधान ने बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, समानता और गरिमामय जीवन का अधिकार प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि इस संवैधानिक संकल्प को पूरा करने के लिए अनेक कानून और संस्थागत व्यवस्थाएं बनाई गई हैं जो बाल संरक्षण को मजबूत आधार प्रदान करती हैं। बाल संरक्षण और बाल हितैषी कानूनी सेवाएं विषय पर अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने उन कानूनी प्रावधानों का विस्तार के साथ उल्लेख किया, जो बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और सम्मान जनक बनाते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय संवि्द ान का अनुच्छेद 21। बच्चों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 24 उन बच्चों से खतरनाक उद्योगों में काम कराने से प्रतिबंधित करता है जो 14 वर्ष

से कम आयु के हैं। किशोर न्यायलय अधिनियम 2015 बच्चों की देखरेख और संरक्षण को सुनिश्चित करता है। पास्को एक्ट लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करता है, और बाल श्रम अधि नियम 2016 बाल श्रम कराने को प्रतिबंधित करता है। इसी प्रकार शिक्षा का अधिकार एक्ट 6 से 14 वर्ष के बच्चों की अनिवार्य शिक्षा की हिमायत करता है।

.िटि संस्था में .िटिबाधिात बालिकाएं शिक्षा प्राप्त कर रही हैं उनके निजी जीवन में आने वाली यौन शोषण की मर्माहत करने और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले विषय को स्पर्श करते हुए सचिव ने गुड टच और बैड टच की विस्तार से उदाहरण करती हैं। बाल संरक्षण और बाल साझा किए और बालिकाओं से उनके साथ घटित घटनाओं की जानकारी प्राप्त कर। उनका सामना कैसे किया जाये। इस संबंध में उपयोगी और व्यावहारिक परामर्श दिया। उन्होंने विषय को विस्तार देते हुए कहा कि बालिकाओं को अपनी सुरक्षा के लिए तीन प्रकार के सर्फिल बनाकर रखना चाहिए। पहला ग्रीन सर्फिल जिसमें खून के रिश्ते और अत्यंत करीबी लोगों को शामिल करें और शरीर के नजदीक

युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर की खुदकुशी

चित्रकूट। सीमा से सटे एमपी के चित्रकूट थाना क्षेत्र स्थित कामता में युवक ने घर के भीतर फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों की सूचना पर पहुंची चित्रकूट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरु कर दी है। मृतक बांदा शहर का रहने वाला है। कई साल से उसका पत्नी से घरेलू विवाद चल रहा है। वह बहन-बहनोई की मौत के बाद अनाथ हो चुकी चार भांजियों का सहारा बनने के लिए चित्रकूट में आकर रहने लगा था।

बांदा शहर के बलखंडीनाका निवासी सुशील गुप्ता (40) पिछले करीब दो साल से चित्रकूट स्थित कामता में रह रहा था। यहां पर उसकी बहन की ससुराल है। बहनोई रामस्वरूप

ओलंपियाड परीक्षा : शांतिदेवी इंटर कश्लेज के विद्यार्थियों का रहा दबदबा

पहाड़ी (चित्रकूट)। प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली हिंदुस्तान ओलंपियाड प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस वर्ष जनपद चित्रकूट के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1500 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। घोषित परिणाम में शांतिदेवी इंटर कॉलेज, पहाड़ी के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय परिसर में आयोजित वंदना सत्र के दौरान सफल छात्र-छात्राओं को चेक, मेडल और प्रमाण—पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रतियोगिता में अम्बुज तिवारी और सचिन सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 3100—3100 रुपये का चेक हासिल किया। वहीं राज उपाध्याय और महेंद्र पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 2100—2100 रुपये का चेक प्रदान किया गया। तृतीय स्थान पर शिवम द्विवेदी, रमन तिवारी और युवराज सिंह रहे। इन सभी को 1100—1100 रुपये का चेक, मेडल एवं प्रमाण—पत्र देकर सम्मानित किया गया।इसके अलावा शांतिदेवी पब्लिक स्कूल की छात्रा चंचल और छात्र शिवशंकर सिंह को भी उ्त्तष्ट प्रदर्शन के लिए 2100—2100 रुपये का चेक, मेडल एवं प्रमाण—पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में शामिल सभी छात्र-छात्राओं को सहभागिता प्रमाण—पत्र देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, प्रेरक मनोज त्रिपाठी, इंटर कॉलेज के प्र्ाणाचार्य शिवबरन त्रिपाठी, पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारिका प्रसाद सहित विद्यालय के शिक्षक—शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र—छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यालय के संरक्षक चुनकू राम पटेल ने सभी सफल छात्र—छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं और ऐसे आयोजन छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

पहले जो पैसा कब्रिस्तान पर खर्च होता था, वह पैसा मंदिरों पर हो रहा खच- योगी

बस्ती मखौड़ोडाम, तपसीधाम, बाबा भद्रेश्वनाथ और गुरु बंशिष्ठ को नमन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्णधाम मंदिर का समाधान हो गया है। 84 कोसी परिक्रमा को समाजवादी पार्टी रोकती थी, लेकिन भाजपा रोकने वालों को टोकती है। हर ६ इसलिए यह मार्ग भव्य रूप से विकसित हो रहा है। प्रदेश में आज प्रदेश में 15 सौ मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम किया जा रहा है। पहले जो पैसा कब्रिस्तान पर खर्च होता था, आज वह पैसा मंदिरों पर खर्च हो रहा है। कब्रिस्तान के नाम पर यहां कब्जा हो रहा था, सपा का जिलाध्यक्ष की जमीन को हमने सांसद होते बचाया था। आज हम जितनी परियोजनाओं को लेकर आए हैं, उसकी सूची है। पहले पैसा उकार लिए जाते थे। आज मुख्यमंत्री

मॉडल कम्पोजिट विद्यालय लेकर हम आए हैं। यह 12 तक की पढ़ाई निशुल्क मिल जाएगी। पहले यहां बिजली के तार पर कपड़ा सुखाया जाता था, आज बिजली का कोई संकट नहीं है। यह लोग भगवान राम भक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग हैं। हर ६ गार्मिक स्थल को विवादित किया। कर्ण मंदिर का विवाद भी यही लटकाए थे। इनकी पीड़ा यह है कि अयोध्या में राम मंदिर कैसे बन गया। उनकी पीड़ा तो यह भी है कि अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कैसे बन गया। यह गोली चलवाते थे लेकिन हमने तो माता शबरी के नाम पर भक्तों को भोजन देने का काम किया है। प्रदेश में चार बार सपा सरकार थी, लेकिन गरीब का धर नहीं बनता था। रसोई गैस नहीं मिल पाता था। किसान को बिजली

नहीं मिल पाती थी। आज वह भी फ्री है। प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना के तहत हमने सहायता दिलावाई है। स्वास्थ्य भी हमने फ्री दिया। पिछले नौ वर्ष में जो विकास हुआ है, वह कभी नहीं हुआ। सपा के लोगों में विकास की कोई रुचि नहीं होती। यह लोग कब्जा करने और सुरक्षा में सेंध लगाते थे। देख सड़कें ब्रिटिया घबराई की अवधारणा अब समाप्त हो गई है। आज बेटी सुरक्षित है। पहाड़ी आबादी को सुरक्षा मिली है। आधे यह लोग दंगा कराते थे, आज भय से हिम्मत नहीं जुटा पाते। परशुरामपुर में इनकी सरकार में तोंडव किया गया था। दंगा कारया था। हमने गोरखपुर से आकर संभाला। विकास का कोई विकल्प नहीं। इसके लिए अच्छे लोगों को ऊपर भेजने पड़ेंगे। यह सच होगी तो विकास भी

स्वस्थ तन-मन के साथ सारं.तिक संपन्नता का माध्यम है कत्यक : कुलपति

—विवि में कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन

चित्रकूट। बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ, संसृति विभाग उत्तर प्रदेश एवं जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य समापन अष्टावक्र सभागार में संपन्न हुआ।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो शिशिर कुमार पांडेय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डा ज्योत्सना पाण्डेय एवं संगीत संकाय के अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार मिश्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विशिष्ट अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलन कर व मां सरस्वती के वंदना के साथ किया। तत्पश्चात 10 दिन तक अपने परिश्रम के नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान करने वाली प्रशिक्षिका अनुपमा त्रिपाठी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह, एवं प्रशस्ति पत्र देकर कुलपति ने सम्मानित किया। कुलपति ने कहा कि इस नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से बाल वृन्द से लेकर युवाओं तक नृत्य का एक उत्कृष्ट वातावरण पूरे चित्रकूट में उत्पन्न हुआ है जो निश्चित रूप से कथक अकादमी के द्वारा किया गया

अनाथ बच्चों व महिलाओं को संरक्षित करने का करें प्रयास : एसडीएम

—वार्ड बाल कल्याण की हुई बैठक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता के निर्देशानुसार वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति मऊ की बैठक उप जिलाधिकारी मऊ राम ऋषि रमन की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

वार्ड बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में सभासद एवं मऊ थाने के बाल कल्याण अधिकारी सहित मऊ नगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक को की अध्यक्षता करते हुए उप जिलाधिकारी द्वारा बच्चों के संरक्षण एवं देखरेख के लिए निर्देशित किया। कहा कि बच्चों को संरक्षित करने के लिए जरूरतमंद जो बच्चे हैं जो अनाथ की श्रेणी में हैं जो महिलाएं अनाथ की श्रेणी में हैं उनको सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए इसके लिए सभी लोगों को प्रयास करना चाहिए। सभी लोग जो बच्चे बाल मजदूरी करते हुए पाए जाएं तो उनको चिन्हित कर संबंदिात के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। किसी भी बच्चे का बाल विवाह होने से रोकने के प्रयास करने के लिए निर्देश दिया गया। संबंधित उपस्थित लोगों को निर्देशित किया गया कि बच्चे जिस मामले से संबंधित हो उसको तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए जो सरकार द्वारा विकसित किए गए टोल फ्री नंबर हैं 1098, 181 वूमेन हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार प्रसार सभी कस्बे वकसियों को जागरुक कर बच्चों को स्कूल भेजने की कार्यवाही की जाए संबंधिक विद्यालय के प्रेाानाध्यापक से संपर्क करते हुए उन बच्चों को स्कूल के लिए प्रेरित करने का प्रयास सभी लोगों को करना होगा ऐसे अनाथ बच्चे जिनको संरक्षण की आवश्यकता है उन बच्चों को तुरंत रेस्क्यू किया जाए पुलिस को सूचित किया जाए चाइल्ड लाइन को सूचित किया जाए।

स्पेशल इंट्रोडक्ट्री कोर्स स्काउट गाइड के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

चित्रकूट। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जिला संस्था चित्रकूट के तत्त्वावधान में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर में प्रशिक्षणरत डीएलएड बैच के प्रशिक्षुओं को स्पेशल इंट्रोडक्ट्री कोर्स स्काउट गाइड के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन ध्वज अवतरण के साथ उपशिक्षा निदेशक प्राचार्य नीलम यादव एवं शिवप्रताप सिंह पाल सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त, सुरेश प्रसाद जिला सचिव जिला संस्था, वरिष्ठ प्रवक्ता उपाध्याय जी, सौरभ चंद्र की उपस्थिति में किया गया।प्रथम दिन प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को ध्वज शिष्टाचार, स्काउट गाइड का इतिहास, टोली बानाइन और टोली में काम करना, स्काउट गाइड के मूलभूत तत्त्व, विभिन्न प्रकार के झंडे, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर, विकास के कार्यक्रम, यूनिट लीडर का प्रगतिशील प्रशिक्षण, गांठ एवं बंधन, वर्दी, स्माटनेश, गुडआर्डर एवं संकेत, दिशा ज्ञान, खोज के चिन्ह, अनुमान लगाना, कैंपिंग एवं हाइकिंग, समारोह एवं प्रदर्शन, विभिन्न प्रकार के अलकरण पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं जैसे मैसैंजर ऑफ पीस, सर्फस्माट फीबीईंग भी, प्राथमिक सहायता आदि विषय का प्रशिक्षण,दिया।

राघव प्रेक्षागार में पुलिस पेंशनर्स की बैठक का आयोजन

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कार्यालय व यातायात अरिश्मा गुप्ता की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय स्थित राघव प्रेक्षागार में पुलिस पेंशनर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में क्षेत्राधिकारी ने पुलिस पेंशनर्स को पर चर्चा की तथा अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग करके कानून व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग प्रदान करने के लिए सभी पेंशनर्स को कहा गया। साथ ही वर्तमान समय में साइबर ठगों द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जीवित प्रमाण पत्र, सीबीआई, ईडी, एटीएस के अधिकारी नकरर डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी का शिकार किया जा रहा है। जिससे बचने के लिए जागरूक किया गया। पेंशनर्स के लिए कानूनी सहायता या शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी साझा की गयी। पेंशनर्स को अपनी समस्याएं और अनुभव साझा करने का अवसर दिया गया एवं उनके समस्याओं को नोट कर और उनके समाधान के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। बैठक के माध्यम से पुलिस पेंशनर्स के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

बसपा नेता के.पी. राठौर नजरबंदी से रिहा: पुलिसकर्मी को सौंपा जापन

अन्याय के विरुद्ध जारी रहेगा संघर्ष—के.पी. राठौर

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल प्रभारी एवं विधानसभा संयोजक मुस्लिम भाई चारा कमेटी के.पी. राठौर को हैरिया में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद उन्हें नजरबंदी से मुक्त कर दिया गया।के.पी. राठौर मुख्यमंत्री की जनपद यात्रा के दौरान मिलकर जनपद की समस्याओं, कानून व्यवस्था, ऐथनाल फैक्ट्री, लालगंज के सिद्धनाथ गांव में मासूम दलित बेटी की हत्या, मेहनौना में लक्ष्मण निषाद की हत्या, मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जोगिया में हुई मौत सहित अन्य मामलों को लेकर ज्ञापन देना चाहते थे। जैसे ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली नगर थाने की पुलिस ने के.पी. राठौर को उनके घर महादेवा विधानसभा क्षेत्र के सिसवारी रघुवीर सिंह में नजरबंद कर लिया। उन्हे मुख्यमंत्री का कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद छोड़ दिया गया।इसपा नेता के.पी. राठौर ने बताया कि जनपद में जघन्य हत्या, लूट संहित अनेक गंभीर मामलों एवं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बदती मंहगाई को लेकर वे निरन्तर संघर्ष कर रहे हैं किन्तु न्याय नहीं मिल पा रहा है। वे मुख्यमंत्री को जो ज्ञापन देना चाहते थे उसे नजरबंद करने आये पुलिस कर्मी को इस आशय से सौंपा कि उनकी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंच जाय।प्रैस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बसपा नेता के.पी. राठौर ने कहा कि मुख्यमंत्री सबके हैं।

जेसीबी से जल निकासी की व्यवस्था कराते सभासद शंकर प्रसाद यादव।

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी के वार्ड संख्या 21 शास्त्री नगर में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका ने अस्थायी व्यवस्था कराई। मोहल्लेवासियों की मांग पर सभासद शंकर प्रसाद यादव स्वयं जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और जल निकासी की व्यवस्था कराकर लोगों को राहत दिलाई।

जानकारी के अनुसार इलाहाबाद रोड स्थित डॉ. सुरेंद्र का हाता नई कॉलोनी में बारिश के बाद भारी जलभराव हो गया था। पानी लोगों के घरों तक पहुंचने लगा था। जिससे आवागमन बाधित होने के साथ ही सांप और बिच्छू निकलने की घटनाओं से क्षेत्रवासी दहशत में थे। लगातार बढ़ रही परेशानी को देखते हुए नगर पालिका की ओर से तत्काल अस्थायी रूप से जल निकासी की व्यवस्था कराई गई। नगर पालिका परिषद के अ यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि क्षेत्र की समस्या के स्थायी समााान के लिए बड़े जल निकासी नाले के निर्माण की योजना तैयार है। उन्होंने कहा कि जैसे ही आवश्यक बजट उपलब्ध होगा, नाले का निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा। जिससे भविष्य में जलभराव की समस्या से लोगों को स्थायी राहत मिल सके। इस दौरान अधिशासी अधिकारी लालजी यादव और सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला की देखरेख में राहत कार्य कराया गया। मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका प्रशासन, सभासद शंकर प्रसाद यादव तथा संबंधित अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए शीघ्र स्थायी समाधान की मांग भी दोहराई।

देवल व कोनिया में ग्राम चौपाल में सुनी समस्याएं

चित्रकूट। ब्लाक पहाड़ी के ग्राम पंचायत देवल में ग्राम चौपाल का आयोजन सहायक विकास अधिकारी पंचायत भूपेंद्र द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चौपाल में सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। जिन्होंने अपनी योजनाओं के संबंध में जानकारीयां दीं। चौपाल में कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। इसके अलावा ब्लाक मऊ की ग्राम पंचायत कोनिया में जन चौपाल का आयोजन प्रभारी खंड विकास अधिकारी सहायक विकास अधिकारी अजय पाल सिंह की अध्यक्षता में किया गया। सभी विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने योजनाओं के संबंध में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया। कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुईं। जिनका मौके पर निस्तारण किया गया।

रामनगर में 94 आंगनवाड़ी कार्यकतियों को स्मार्टफोन वितरित

चित्रकूट। बाल विकास परियोजना कार्यालय रामनगर में राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नि:शुल्क स्मार्टफोन वितरित किए गए। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी महेंद्र पटेल ने 94 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन प्रदान किए।इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी महेंद्र पटेल ने बताया कि स्मार्टफोन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अब विभागीय कार्यों का ऑनलाइन संचालन करेंगी। उन्होंने बताया कि पोषण ट्रैकर पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का पंजीकरण, पोषण संबंधी जानकारी, टीकाकरण, गृह भ्रमण, लाभार्थियों का विवरण तथा अन्य विभागीय सूचनाएं डिजिटल रूप से दर्ज की जाएंगी। इससे कार्यों में पारदर्शिता आएगी और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।और आकांक्षी ब्लॉक रामनगर के सभी इंडिकेटर को पूरा करने एवं सही डेटा संग्रह करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से मोबाइल का सही उपयोग करने तथा शासन द्वारा निर्धारित दिशा—निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध रूप से ऑनलाइन डाटा अपलोड करने की अपील की। कार्यक्रम में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार, प्रशांक खरे, राकेट लॉनिंग से प्रवीण एवं सुपरवाइजर मीना देवी, रीता सिंह सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रही। स्मार्टफोन प्राप्त करने पर कार्यकत्रियों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विभागीय कार्यों के निष्पादन में सुविधा मिलेगी और लाभार्थियों तक योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

हादसे में घायल युवक की मौत

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात सड़क हादसे में घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान राजकुमार (38) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार यह हादसा लालता रोड चौराहे से जोरवारा टोल के बीच हुआ था। राजकुमार बाइक से जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे एक चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजकुमार को स्थानीय लोग आनन—फानन में मऊ सीएचसी ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज पहुंचने पर रात 10 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मऊ पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त चार पहिया वाहन को कब्जे में ले लिया है। पुलिस वाहन चालक से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच कर रही है।

-प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक बरक्सिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

चित्रकूट। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता 10 से 13 जुलाई तक चलेगी। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी देवी दयाल पांडव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल एवं उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत में क्रीड़ा अधिाकारी अरविंद कुमार ने मुख्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं बैच अलं.त कर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने 18 मंडलों से आई टीमों के लगभग 200 खिलाड़ियों से मुख्य अतिथियों का परिचय कराया। मुख्य विकास अधिकारी देवी दयाल पाल ने अपने संबोध्ान में कहा कि बॉक्सिंग एक बेहतरीन शारीरिक और मानसिक व्यायाम है। यह ताकत, सहनशक्ति और फुर्ती बढ़ाती है। साथ ही इसमें सिर और शरीर पर गंभीर चोट का जोखिम भी होता है। इसलिए इसे करियर या फिटनेस के रूप में चुनने से पहले इसके फायदे और नुकसान दोनों को समझना जरूरी है। प्वाहकारी जिला अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि खेलों से अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ता है। सरकार और एसोसिएशन मिलकर प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में कोच, रेफरी, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

अपना दल (एस) ने संगठन की मजबूती पर किया विचार विमर्श

चित्रकूट। अपना दल (एस) की मासिक बैठक विधानसभा अ्द यक्ष जब्बर सिंह पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में

फीफा विश्व कप 2026 स्पेन ने बेल्जियम को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, ये बने रिकार्ड्स

नईदिल्ली,। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को कांटे के मुकाबले में 2–1 से हरा दिया। इसी के साथ स्पेन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला फ्रांस फुटबॉल टीम से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला दिखा, लेकिन आखिरी मिनटों के गोल ने बेल्जियम का सफर समाप्त कर दिया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं।

मैच के 30वें मिनट में स्पेन के फाबियन रुइज ने बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ द्वारा रोके जाने के बाद शीबाउंड पर शानदार गोल कर स्पेन को 1–0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 41वें मिनट में बेल्जियम ने पलटवार किया। केविन डी ब्रुइन के बेहतरीन पास पर चार्ल्स डी केटेलेरे ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। इसके साथ स्पेन का टूर्नामेंट में पिछले 649 मिनटों का गोल न खाने का रिकॉर्ड टूट गया।

दूसरे हाफ के 71वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ चोटिल होकर बाहर हो गए और उनकी जगह सेन लामेस मैदान पर आए। उसके बाद स्पेन ने हमले तेज कर दिए। ऐसे में



स्पेन को 2–1 की निर्णायक बढ़त दिला दी। इसके बाद बेल्जियम की टीम कोई गोल नहीं कर पाई और स्पेन ने मुकाबला जीत लिया। स्पेन के मिडफील्डर रोद्रिज़ ने विश्व कप 2026 के अंतिम तीसरे हिस्से में 62 निर्णायक पास दिए। यह 2014 में जर्मनी के टोनी क्रूस (62) के बाद एक संस्करण में सबसे अधिक पास देने का रिकॉर्ड है। स्पेन ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले 36 मैचों में अभी तक हार का सामना नहीं किया है, जो 2009 से अब तक का उनका सबसे लंबा अजेय क्रम

शांति अधिनियम 2025 के क्रियान्वयन को लेकर नीति आयोग की अहम बैठक, तीन प्रमुख क्षेत्रों पर मंयन

नई दिल्ली । नीति आयोग ने शांति अधिनियम 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की, जिसमें सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव दिए, जो इसके क्रियान्वयन ढांचे को और मजबूत बनाने में सहायक होंगे।

नीति आयोग के अनुसार, इस बैठक में सरकार, नीति-निर्माताओं, शोध संस्थानों और उद्योग से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य शांति अधिनियम 2025 के संचालन को प्रभावी और व्यावहारिक बनाना था।बैठक में चर्चा को कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तीन प्रमुख स्तंभों के आधार पर आयोजित किया गया।पहला, विधायी और नियामकीय ढांचा। इस सत्र में शांति अधिनियम 2025 के तहत तैयार किए गए ड्राफ्ट नियमों,

विनियमों और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति से जुड़े प्राक्कानों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कानून के तहत वैधानिक अनुपालन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया। साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि किस तरह विदेशी निवेश आकर्षित किया जाए, जबकि देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।दूसरा, वित्त, बीमा और जनविश्वास। इस सत्र में कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक वित्तीय व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन पर चर्चा की गई।

इसमें दीर्घकालिक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्था तैयार करने और आम लोगों के बीच जागरूकता, आवश्यक तीन प्रमुख स्तंभों के आधार पर आयोजित किया गया।पहला, विधायी और नियामकीय ढांचा। इस सत्र में शांति अधिनियम 2025 के तहत तैयार किए गए ड्राफ्ट नियमों,

संचालन प्रक्रिया पर चर्चा हुई। इस सत्र में घरेलू विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, परियोजनाओं की संचालन



संबंधी तैयारियों को मजबूत करने और कुशल मानव संसाधन विकसित करने पर जोर दिया गया।हितधारकों ने सप्लाई चेन को अधिक मजबूत और लचीला बनाने तथा उद्योग के विस्तार के लिए विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम तैयार करने पर भी सुझाव दिए।यह बैठक नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर अमय करंदीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।शांति अधिनियम 2025 का उद्देश्य भारत

को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और विकसित भारत 2047 के तहत निर्धारित स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों

को हासिल करना है। इस कानून के माध्यम से निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों की जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे संसाधनों की कमी दूर करने, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनहित से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

लॉर्ड्स टेस्ट - स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने जड़े अर्धशतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली, लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे ऐतिहासिक एकमात्र टेस्ट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और उपकप्तान स्मृति मंधाना (83) ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली। इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में टीम को शुरुआती झटके लगे थे। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टीम की पारी संभाली। मंधाना के टेस्ट करियर का यह चौथा और हरमनप्रीत के करियर का दूसरा पचासा रहा। ऐसे में आइए दोनों खिलाड़ियों की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।मंधाना ने 108 गेंदों का सामना किया और 83 रन बनाकर इसी वॉग की गेंद पर आउट हुईं। उनके बल्ले से 11 चौके और एक छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 76.85 की रही। वहीं, हरमनप्रीत ने 121 गेंदों का सामना किया और 58 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्हें मैडी विलियर्स ने आउट किया। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच 155 गेंदों में 89 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने जेमिमा रोड्रिगेज के

साथ मिलकर 72 गेंदों में 64 रन जोड़े।

मंधाना ने अपना पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था। अब तक उन्होंने 9 टेस्ट खेले हैं और इसकी 15 पारियों में 51.28 की औसत के साथ 718 रन बनाने में सफल रही हैं। उनके बल्ले से 4 अर्धशतक के अलावा 2 शतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 4 मैचों की 7 पारियों में 40.71 की औसत से 285 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले हैं।हरमनप्रीत टेस्ट करियर में एक भी शतक नहीं लगा पाई हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला 2014 में खेला था। इस खिलाड़ी ने 8 मैच खेले हैं और इसकी 12 पारियों में 26.18 की औसत से 288 रन बनाने में सफल रही हैं। उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 69 रन है। इंग्लैंड के खिलाफ 4 टेस्ट की 7 पारियों में उन्होंने 28.66 की औसत से 172 रन बनाए हैं।58 रन उनका सर्वश्रेष्ठ

लार्ड्स टेस्ट भारतीय महिला टीम 285 रन पर आलआउट हुई, ऐसा रहा पहले दिन का खेल

नईदिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच का पहला दिन समाप्त हो गया है। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में एक विकेट खोकर 21 रन बना लिए थे। स्टम्प तक माया बाउचर (17) और हीदर नाइट (1') नाबाद थीं। भारतीय टीम की पहली पारी 285 रन पर समाप्त हुई। आइए पहले दिन के खेल और बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम को शुरुआती झटके लगे और एक समय 37 रन के स्कोर पर उसके 2 बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद जेमिमा रोड्रिगेज (35), स्मृति मंधाना (83) और हरमनप्रीत कौर (58) की पारियों

के दम पर भारतीय टीम 74.5 ओवर में 285 रन बनाने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए सोफी



एक्लेस्टोन ने 3 विकेट लिए। भारत के लिए क्रांति गौड़ ने एकमात्र विकेट हासिल किया। मंधाना ने 108 गेंदों का सामना किया और 83 रन बनाकर इसी वॉग की गेंद पर आउट हुईं। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनके

स्कोर है।

यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाने वाला पहला महिला



टेस्ट मैच है। पुरुषों के पहले टेस्ट के 142 साल बाद इस मैदान पर

महिला क्रिकेट को जगह मिली है। इंग्लैंड ने 1937 से अब तक 19 मैदानों पर 55 टेस्ट खेले थे और



लॉर्ड्स उनका 20वां टेस्ट स्थल है।

चार हफ्तों की तेजी पर लगा ब्रेक, सेसेक्स-निप्टी में मामूली गिरावटय पश्चिम एशिया तनाव का असर

मुंबई। लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

इस सप्ताह के दौरान निपटी 0.26 प्रतिशत फिसला, हालांकि आखिरी कारोबारी दिन इसमें 1.02 प्रतिशत की तेजी आई और यह 24,206 अंक पर बंद हुआ। वहीं, संसेक्स शुक्रवार को 827 अंक (1.08 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,569 अंक पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में संसेक्स 0.25 प्रतिशत कमजोर रहा।

पूरे सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक माहौल के साथ हुई, लेकिन बाद में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के

कारण वैश्विक बाजारों में बिकवाली का माहौल बन गया, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। हालांकि, बाजार में यह गिरावट ज्यादा समय तक नहीं रही।

एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही के लिए बैंकिंग और आईटी कंपनियों के बेहतर कारोबारी अपडेट आने से निवेशकों का भरोसा फिर मजबूत हुआ और आगामी तिमाही नतीजों को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

सप्ताह के दूसरे हिस्से में भारतीय शेयर बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली, जिसकी प्रमुख वजह कच्चे तेल की कीमतों का करीब 76 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 71–72 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आना, वैश्विक टेक शेयरों में सुधार और कूटनीतिक प्रयासों को लेकर बढ़ी उम्मीदें रहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहते

हैं, तो वित्त वर्ष 2026–27 की कमाई (कॉरपोरेट अर्निंग्स) को लेकर भरोसा और मजबूत होगा। इससे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश भी बढ़ सकता है।

एफआईआई सप्ताह के अधिकांश कारोबारी सत्रों में शुद्ध खरीदार (नेट बायर्स) रहे। वहीं पूरे सप्ताह के दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,670 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।

सेक्टरल प्रदर्शन की बात करें तो रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और आईटी सेक्टर ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं मीडिया, एफएमसीजी और कैमिकल सेक्टर दबाव में रहे।इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने भी प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया। रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल शेयरों में खरीदारी से इन दोनों श्रेणियों को मजबूती मिली।

सप्ताह के दौरान निपटी मिडकैप–100 में 1.36 प्रतिशत

और निपटी स्मॉलकैप–100 में 1.26 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निकट भविष्य में निपटी के लिए 24,300 का स्तर प्रमुख प्रतिरोध 1 (रेजिस्टेंस) का स्तर रहेगा, जबकि 24,100 तत्काल समर्थन (इमीडिएट सपोर्ट) के रूप में देखा जा रहा है, जिसके बाद 24,000 अगला महत्वपूर्ण सपोर्ट स्तर होगा।

वहीं, बैंक निपटी के लिए 57,800–57,700 का दायरा अहम सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि 58,200–58,300 के बीच मजबूत रेजिस्टेंस देखने को मिल सकता है।

आने वाले दिनों में निवेशकों की नजर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के कॉरपोरेट नतीजों, भारत के महंगाई के आंकड़ों, अमेरिका के सर्राफा बाजार में संदर्भ मौल्य के रूप में किया जाता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी करीब 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही रहेगी।

एप्पल ने ओपनएआई को घेरा, गोपनीय डेटा और भविष्य के प्रोडक्ट्स की जानकारी चोरी का दावा

नई दिल्ली,। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने एआई कंपनी ओपनएआई और उसके हार्डवेयर प्रमुख के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। एप्पल ने आरोप



लगाया कि ओपनएआई ने कई कर्मचारियों को यह सलाह दी कि वे कंपनी छोड़ते समय इस तरह कदम उठाएं, जिससे गोपनीय फाइलों तक उनकी पहुंच बनी रहे।हालांकि, ओपनएआई ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसे किसी दूसरी कंपनी के व्यापारिक रहस्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर ध्यान दे रही है, जो दुनिया भर

के लोगों को सशक्त बनाए।हाल के वर्षों में एप्पल और ओपनएआई के बीच करीबी साझेदारी रही है। ओपनएआई ने एप्पल इंटेलिजेंस

महीने पहले एप्पल के करीब 400 कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ लिया। एप्पल का आरोप है कि तकनीकी स्टाफ से लेकर मुख्य



प्लेटफॉर्म और सिरी डिजिटल असिस्टेंट के लिए अहम तकनीक उपलब्ध कराई थी। लेकिन पिछले एक साल में दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया। इसकी एक वजह ओपनएआई द्वारा एप्पल के पूर्व चर्चित डिजाइन प्रमुख जॉनी इवे को नए डिवाइस विकसित करने के लिए अपने साथ जोड़ना भी बताया गया है।मुकदमे में एप्पल ने यह भी दावा किया है कि ओपनएआई ने अपने प्रस्तावित आईपीओ से कुछ

हार्डवेयर अधिकारी तक, हर स्तर पर ओपनएआई ने अपने व्यावसायिक सहयोगियों के साथ मिलकर एप्पल के व्यापारिक रहस्य और गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की।एप्पल ने अदालत से मांग की है कि ओपनएआई उसके सभी स्वामित्व वाले गोपनीय दस्तावेज और सामग्री नष्ट करे तथा कथित रूप से कॉपी की गई तकनीक को हटाकर अपने आने वाले प्रोडक्ट्स का दोबारा डिजाइन तैयार करे।



नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना करीब 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी की कीमत में 13,000 रुपये से अधिक प्रति किलोग्राम की कमी आई है।आईबीजेए के अनुसार, 24 कैरेट सोने का भाव इस सप्ताह 2,976 रुपये घटकर 1,43,368 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि पिछले सप्ताह यह

1,46,344 रुपये प्रति 10 ग्राम था।इसी तरह, 22 कैरेट सोने का न्यूनतम भाव 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जबकि 6 जुलाई की सुबह इसका उच्चतम स्तर 1,45,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा।सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली। इस सप्ताह चांदी 13,468 रुपये सस्ती होकर 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले सप्ताह इसका भाव 2,33,858 रुपये प्रति

हले 1,09,758 रुपये प्रति 10 ग्राम था।साप्ताहिक कारोबार के दौरान 8 जुलाई की शाम 24 कैरेट सोने का न्यूनतम भाव 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जबकि 6 जुलाई की सुबह इसका उच्चतम स्तर 1,45,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा।सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली। इस सप्ताह चांदी 13,468 रुपये सस्ती होकर 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले सप्ताह इसका भाव 2,33,858 रुपये प्रति

किलोग्राम था। चांदी का उच्चतम स्तर 6 जुलाई की शाम 2,33,158 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम स्तर 10 जुलाई की शाम 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।आईबीजेए प्रतिदिन सुबह और शाम दो सत्रों में सोने और चांदी के भाव जारी करता है, जिनका उपयोग देश भर के सर्राफा बाजार में संदर्भ मूल्य के रूप में किया जाता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी करीब 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है।

राघव जुयाल की भाई तेरा स्टार है की पूरी कास्ट आई सामने, संजय कपूर के साथ नजर आएगे ये कलाकार

राघव जुयाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भाई तेरा स्टार है को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया गया था, जिसमें राघव जुयाल नजर आए थे। अब मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की घोषणा कर दी है। फिल्म में राघव के साथ एक बड़ी कास्ट नजर आएगी। मेकर्स ने एक दिलचस्प वीडियो के जरिए फिल्म की पूरी कास्ट की जानकारी दी है।

इस वीडियो में फिल्म के बाकी कलाकार एक-एक करके आते हैं। अजय सिंह के रोल में राघव जुयाल के साथ इस फिल्म में संजय कपूर, बरखा सिंह, निहारिका एनएम, चंदन रॉय सान्याल, विकल्प मेहता, विवान भट्टेना, निकी अनेजा वालिया, पार्वती ओमानकुट्टन, टीना देसाई, विनीत बीप कुमार, नासेर अल अजेह और देव बी. अग्रवाल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। विवेक बी. अग्रवाल द्वारा निर्देशित भाई तेरा स्टार है ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 का प्रोडक्शन है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जो दर्शकों को एक ऐसे युवा की मजेदार और उथल-पुथल भरी दुनिया में ले जाता है, जिसे पक्का यकीन है कि वह सुपरस्टार बनेगा। राघव जुयाल इसमें अजय सिंह के मुख्य रोल में हैं। यह फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बाक्स आफिस पर अल्फा को जमकर टक्कर दे रही वेलकम टू द जंगल, बेबी डू डाई डू और काकटेल 2 की रफ्तार धीमी

सिनेमाघरों में इस समय आलिया भट्ट और शरवरी अभिनीत अल्फा तथा अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में दर्शकों का अच्छा समर्थन हासिल कर रही हैं, हालांकि सप्ताहांत के बाद कमाई की रफ्तार में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं हुमा कुरैशी की बेबी डू डाई डू अभी तक दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल नहीं हो सकी है। दूसरी ओर कॉकटेल 2 की कमाई अब ६ रिे-धीरे लाखों तक सिमट गई है।

आलिया भट्ट और शरवरी स्टारर अल्फा ने रिलीज के शुरुआती दिनों और पहले वीकेंड में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। बु्ावार को फिल्म ने 2.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो रिलीज के छह दिनों में इसका सबसे कम दैनिक कलेक्शन रहा। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 44.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

वहीं 26 जून को रिलीज हुई अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर वेलकम टू द जंगल लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। बु्ावार को फिल्म ने 2.35 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 122.90 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म अब भी दर्शकों की पसंद बनी हुई है और टिकट खिड़की पर मजबूती से टिकी



अब तक उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं मिल पाए हैं। रिलीज के छह दिनों में फिल्म एक भी दिन एक करोड़ रुपये का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। बुधवार को इसने 53 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 3.11 करोड़ रुपये पहुंच गया।उधर शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना अभिनीत

है। इसके चलते फिल्म की कमाई अब लगातार घट रही है। बुधवार को फिल्म ने 45 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 93.90 करोड़ रुपये हो गया है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल



एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं।हाल ही में एक्प्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है।इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरे नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर-वर्क को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं।

रकुल ने चारकोलधार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को-ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी-नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है।बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फ्रैंक्रि का बॉडी-हगिंग और नीचे से प्लेयर्ड स्कर्ट-पैट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली टॉड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है।अपने इस बोल्ड लुक में एलीगेंस जोड़ने के लिए उन्होंने मैचिंग लैवेंडर-ग्रे टोन का दुपट्टा कैरी किया है।

बदहाल स्कूल, बेफिफ्र हेडमास्टर! आदर्श बाल विद्यालय में दिरेगा के के मेनन का नया अवतार, पहली झलक संग तय हुई रिलीज डे

ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी नई ऑरिजिनल कॉमेडी—झामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। इसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है, जबकि बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले इसे एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। शो को लिखने में बिस्वपति सरकार के साथ अक्षय अस्थाना, नूपुर पाई, तत्सत पांडे और मेघना श्रीवास्तव जैसी लेखकों की टीम ने योगदान दिया है। मुख्य भूमिका में दिग्गज अभिनेता के के के मेनन नजर आएंगे। उनके साथ अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी और अभिमन्यु सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। यह सीरीज दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम की जाएगी। सात एपिसोड्स वाली इस बेहद दिलचस्प सीरीज का प्रसारण आगामी 24 जुलाई से होने जा रहा है। इस सीरीज की कहानी एक ऐसे सरकारी स्कूल के इर्द-गिर्द बुनी गई है जो अपनी बदहाली के आखिरी छोर पर है। कहानी के केंद्र में हैं ज्ञानेश्वर



वाले एक प्रतिष्ठित सरकारी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होना। इसी चाहत के चलते वे अनजाने में स्कूल की सूरत बदलने के एक अनोखे और चुनौतीपूर्ण सफर पर निकल पड़ते हैं। शहर के सबसे पिछड़े और अव्यवस्थित स्कूल को सुधारने के लिए वे अजीबोगरीब शिक्षकों की एक टीम बनाते हैं। इस सफर में उन्हें संसाधनों की भारी किल्लत, शरारती बच्चे, लापरवाह पेरेंट्स और प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता है। यह शो हसी-मजाक के साथ-साथ भावनाओं का एक खूबसूरत ताना-बाना पेश करता है।प्राइम

वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स स्कूल के बेहद बेफिफ्र मिजाज हेड, निखिल मधोक ने सीरीज को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि आदर्श बाल विद्यालय हमारे



एजुकेशन सिस्टम की कमियों को बेहद हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में सामने लाती है। यह कहानी दिल को छूने वाली और हर आम इंसान को अपनी सी लगने वाली है। वहीं शो के को-क्रिएटर बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने बताया कि इस शो की शुरुआत एक छोटे से विचार से हुई थी। वे एक ऐसे स्कूल की कहानी दिखाना चाहते थे जो हर मोर्चे पर नाकाम दिख रहा है, लेकिन फिर भी वहां के शिक्षकों और छात्रों का जज्बा उसे जिंदा रखे हुए है।

पेदी का दुनियाभर में थिएट्रिकल रन हुआ खत्म, छप्परफाड़ कमाई के साथ बना दिये इतने तगड़े रिकार्ड

राम चरण और जाहबी कपूर की बुडी बाबू सना निर्देशित पेदी का सिनेमाघरों में सफर तकरीबन खत्म हो चुका है। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है. इसी के साथ चलिए यहां जानते हैं कि इस स्पोर्ट्स ड्रामा का वर्ल्डवाइड और भारत में कितना फाइनल कलेक्शन हुआ है?

पेदी ओटीटी के प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर हिंदी को छोड़कर तेलुगु सहित अन्य भाषाओ में रिलीज हो गई है. इसी के साथ इसका ऑफिशियली थिएट्रिकल रन भी पूरा हो गया है. वहीं फिल्म की फाइनल कमाई की बात करें तो राम चरण की इस फिल्म ने दुनिया भर में कुल 333 करोड़ रुपये की कमाई की है,

धमाल 4 के साथ खत्म नहीं होगा इस फ्रैंचाइजी का भविष्य, फिल्म में मिला संकेत

अजय देवगन की कॉमेडी—झामा फिल्म धमाल 4 अपनी रिलीज से एक दिन दूर है। इंद्र कुमार द्वारा

निर्देशित यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म के साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी अपने-अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि निर्माता पूरी तरह आश्वत हैं कि पिछली किस्तों की तरह, धमाल 4 भी सफल होगी। इसका कारण फिल्म के आखिर में मिला जबरदस्त संकेत है।रिपोर्ट के मुताबिक, धमाल 4 के आखिर में इसकी अगली कड़ी को लेकर इस बारे में खुलासा करते हुए बताया, धमाल 4 के आखिर में एक ऐसा दृश्य है जो संकेत देता है कि धमाल 5 भी जल्द ही आने वाला है। और पहले 4 भागों की तरह, ६ माल 5 भी एक बेहद मजेदार और मनोरंजक फिल्म होने की उम्मीद है, ऐसा उस दृश्य को देखकर लगता है। धमाल की पहली किस्त 2007 में रिलीज हुई थी, जो बॉलीवुड की कल्ट कॉमेडी फिल्मों में शामिल है। साल 2011 में इसकी दूसरी कड़ी धमाल 2 रिलीज हुई, जिसमें कंगना रनौत भी मुख्य किरदार में नजर आई थीं। फिर 2019 में इसकी तीसरी कड़ी आई जिसमें अजय ने प्रवेश किया। उनके साथ अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित भी फिल्म का हिस्सा बने। अब धमाल 4 रिलीज को तैयार है जिसमें रवि किशन,अंजलि आनंद और संजीदा शेख भी शामिल हैं।

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टील इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें।एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स के फायदेएल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं।स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स के लाभस्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।सेहत पर प्रभावजब बात सेहत की आती है,

जिसमें भारत से इसने 282 करोड़ रुपये बटोरे थे और विदेशी बाजारों से 51 करोड़ रुपये (5.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर) कमाए हैं.पेदी ने देश और दुनियाभर में अच्छी कमाई तो की ही है साथ ही इसने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं. बता दें कि ये फिल्म अब तक की ग्यारहवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉलीवुड फिल्म बन गई है. वहीं अगर सिर्फ तेलुगु-भाषा की कमाई को देखें, तो यह छठे नंबर पर है. वहीं यह फिल्म तेलुगु राज्यों में अब तक की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, यह कोस्टल आंध्र में चौथी और निजाम व सीडेड दोनों क्षेत्रों में छठी सबसे बड़ी फिल्म रही है.बता दें कि राम चरण स्टारर इस फिल्म ने तेलुगु राज्यों वाले अपने घरेलू इलाके में ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस दी. कर्नाटक में भी इसका प्रदर्शन अच्छा रहा. ये हिंदी-उब वर्जन में भी रिलीज हुई थी लेकिन हिंदी में ये खास परफॉर्म नहीं कर पाई.

विदेशी बाजारों में भी ये ठंडी रही जिससे इसके डिस्ट्रीब्यूटर्स को भारी नुकसान उठाना पड़ा.बॉक्स ऑफिस पर ज्यादातर अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, यह फिल्म मुश्किल से अपनी लागत ही वसूल पाई है.

प्रोड्यूसर को कुछ मुनाफा हुआ है, जबकि डिस्ट्रीब्यूटर्स को लगभग उतनी ही रकम का नुकसान हुआ है, एक समय ऐसा लगा था कि ये फिल्म घाटे का सौदा साबित होगी, लेकिन किसी तरह यह उससे उबरने में कामयाब रही.



ऋतिक रोशन पर छावा निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की नजर, अगली फिल्म में मचेगा धमाल?

ऋतिक रोशन ने आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा में कैमियो करके तहलका मचा दिया है। आने वाले दिनों में उन्हें सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में भी कैमियो करते हुए देखा जाएगा। इस बीच, खबर है कि अभिनेता अपनी अगली फिल्म के साथ फैंस को बड़ा तोहफा दे सकते हैं। कहा जा रहा है कि छावा (2025) जैसी सफल फिल्म देने वाले निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने ऋतिक से अगली परियोजना को लेकर संपर्क किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, छावा निर्देशक ने अपनी अगली फिल्म के लिए ऋतिक से संपर्क किया है, जिसे वह ईशा की रिलीज के तुरंत बाद निर्देशित करना चाहते हैं। बता दें, ईशा 28 अगस्त, 2026 को रिलीज हो रही है और इसमें श्रद्धा कपूर मुख्य किरदार में हैं। उध



र, ऋतिक भी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कृष 4 के प्री-प्रोडक्शन पर ध्यान दे रहे हैं। फिलहाल, अभिनेता की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। भले ऋतिक की ओर से अभी लक्ष्मण की अगली फिल्म को लेकर कोई हामी न भरी गई हो, लेकिन फैंस इस सहयोग की उम्मीद लगाए बैठे हैं। छावा और ईशा के अलावा, लक्ष्मण की विशेषज्ञता छोटे शहरों की कहानियों और ऐतिहासिक फिल्में में रही है। उन्होंने लुका छुपी, मिमी और जरा हटके जरा बचके जैसी कई शानदार फिल्में दीं। ऐसे में देखना दिलचस्प होता कि उन्होंने ऋतिक के लिए किस तरह के किरदार और फिल्म की कल्पना की है।

के साथ बना दिये इतने तगड़े रिकार्ड



बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं-शूट के बाद भीगने चली गईं

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नतरू हर खुशी पाने की को लेकर सुखियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं.

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं.

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो धांसपेरेंट हो जाते हैं. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालाकि आयशा को शॉर्ट्स, टी-शर्ट और पिलप-पलॉय वाला कैंजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं.

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

किसका चयन करना है बेहतर?